● वर्ष-2
● अंक-162
रायपुर, शुक्रवार
24 फरवरी 2023
● पृष्ठ-6
● मूल्य-3 रु.

samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

इन दिनों

✍ विनोद अग्निहोत्री

2024 का चुनावी मुद्दा तय होगा रायपुर में

पिछले लोकसभा चुनावों के बाद यूं तो हर साल देश में कहीं न कहीं चुनावी महाभारत होता रहा है, लेकिन अगले आम चुनाव से ठीक पहले का यह साल सियासी नजरिए से सबसे ज्यादा गरम साल साबित होने वाला है। भारतीय जनता पार्टी प्रधानमंत्री मोदी के चेहरे की लोकप्रियता और राजनीतिक परिपक्वता के बल पर लोकसभा चुनावों में हैट्रिक की तैयारी कर रही है, तो वहीं प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस भी राहुल गांधी की भारत जोड़ो पदयात्रा की सफलता से उत्साहित होकर भाजपा की हैट्रिक न बनने देने की तैयारियों में जुट गई है। जबकि भाजपा विरोधी क्षेत्रीय दल अपने अपने इलाकों में अपनी ताकत बढ़ाकर अगले लोकसभा चुनावों के लिए भाजपा को रोकने और कांग्रेस को दबाव में लेने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। इस चुनावी महाभारत में जहां भाजपा मोदी सरकार के दस सालों के कामकाज और भविष्य का भारत कैसा होगा अपने इस एजेंडे की पैकिंग में अपने सबसे बड़े और धारदार सियासी हथियार हिंदुत्व को फिर से आजमा कर कमंडल राजनीति को गरम करेगी, तो उसकी काट के लिए सामाजिक न्याय के योद्धा राजद, जद(यू) और समाजवादी पार्टी ने हिंदू ध्रुवीकरण की काट के लिए जातीय जनगणना और रामचरित मानस विवाद के जरिए पिछड़ों के ध्रुवीकरण की मंडल राजनीति का दांव खेलने में जुट गए हैं। उधर कमंडल और मंडल से इतर कांग्रेस ने भाजपा और मोदी सरकार के खिलाफ मुद्दों का एक बंडल तैयार किया है, जिसमें महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की समस्या, छोटे उद्योगों मझोले व्यापार और दुकानदारों की तकलीफ, मजदूरों की रोजमर्रा की दिक्कतों और सरकारी कर्मचारियों की पुरानी पेंशन योजना और कॉरपोरेट भ्रष्टाचार के जरिए अमीर गरीब की गहराती खाई जैसे मुद्दे शामिल हैं। लोकसभा और राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर दिए गए अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी सरकार के कामकाज और उपलब्धियों का ब्यौरा देते हुए इस साल होने वाले कई राज्यों के विधानसभा चुनावों और अगले साल के लोकसभा चुनावों की राजनीतिक पिच तैयार कर दी। अपने भाषण में उन्होंने न सिर्फ विपक्ष को आईना दिखाया, बल्कि भाजपा नेताओँ और कार्यकर्ताओं को सियासी लाइन भी दे दी कि अब उन्हें राजनीतिक विमर्श में क्या करना है और क्या बोलना है। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी की लाइन ऐसी सियासी पैकेजिंग हैं, जिसमें विकास सुशासन और उपलब्धियों के चमकदार खोल के भीतर ठोस हिंदुत्व है जो आगे आने वाले सभी चुनावों में भाजपा का सबसे धारदार हथियार होगा।

पं. जवाहर लाल नेहरु का संबोधन

हम विचार करे कि हमारे इस महान देश की उन्नति कैसे हो?

1960 में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के तीन दिवसीय सम्मेलन के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरु ने आम सभा को संबोधित किया था। 30 अक्टूबर 1960 की संध्या पं. नेहरु ने भारी जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस की बैठक के बारे में बताया था। उक्त संबोधन का संपादित अंश .....

''मैं यहां रायपुर में तीन दिन हुए आया, तो मैने पूछा कि रायपुर में क्या आबादी है, कितने लोग रहते है मुझसे कहा गया कि कोई सवा लाख रहते है। लेकिन इस समय इस बड़ी सभा में तो सवा लाख के दुगने, तिगुने लोग है। मैं नहीं जानता आप लोग कितने है, लेकिन बहुत अधिक है, तो इसके मायने है कि आप लोग दूर-दूर से आए है यहां मुझसे कुछ लोग मिले, बस्तर से आदिवासी लोग आए थे, और जगह से अन्य लोग भी तो यह जो बड़ी सभा है वो एक रायपुर की सभा नहीं रही बल्कि इस सारे इलाके की सभा हो गई। तीन दिन हम व्यस्त रहे, जिस काम के लिए मैं आया था वो हमारी अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी का जलसा था, कोई एक घंटे पहले उसका समापन हुआ। आप में से कुछ थोड़े से लोग तो उस सभा में गए ही होंगे, लेकिन अधिकतर तो बाहर ही रहे। क्यों आए आप यहां ? मैं विचार कर रहा था कि दूर-दूर से हमारे भाई बहिन यहां आए, किसलिए आये ? जो प्रश्न कमेटी के सामने थे शायद पूरी तौर से आप जानते भी नहीं हो, कुछ मोटी तौर से तो आप जानते होंगे कि यह जो कमेटी की बैठक हुई वह इसलिए हुई कि हम विचार करे कि हमारे इस महान देश की उन्नति कैसे हो? हमारे जो करोड़ों लोग इस देश में रहते है और उसमें अधिकतर लोग गरीब है, कैसे उनका भला हो, कैसे आगे बढ़े, कैसे उनमें बाहुबल आए, कैसे उनका मन, दिमाग ठीक हो, कैसे हमारा देश और उसके लोग सारी दुनिया में आगे बढ़े? यह हमारे सामने प्रश्न थे और आज से नहीं बरसों से है। जबसे हमें स्वराज्य मिला उस समय से यह हमारे सामने बड़ा प्रश्न आया कि भारत की जनता की उन्नति कैसे हो, उसकी गरीबी कैसे दूर हो? क्योंकि खाली स्वराज्य मिलना तो काफी नहीं था, स्वराज्य तो यात्रा की एक मंजिल थी अब उससे भी बड़ी यात्रा शुरू हुई। उसको भी 10-12 बरस हो गए, तो हमें देखना है हमने 10-12 बरस में क्या किया? कितनी तरक्की हुई और अब क्या करना है? आप जो यहां रहते है मिलाई में, रायपुर में तो आपने अपने इलाके में देखा हो क्या हो रहा है? आपके सामने सारे भारत का चित्र तो नहीं है, लेकिन अगर आप यहां से थोड़ी दूर पर जाएं, तो आप देखेंगे कि वो जो बहुत बड़ा लोहे का कारखाना और एक बड़ा नगर बना है भिलाई। वो एक चिन्ह है, एक निशानी है भारत के बढ़ने की, क्योंकि खाली वहां एक लोहा ही नहीं बनेगा बल्कि वहां से जो चीजें निकलेगी वो भारत में हजारों कारखाने बनाएंगी, वो भारत के गांव गांव जाएंगी और किसान को उससे मदद मिलेगी। अभी अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की जो बैठक हुई उसमें कई प्रस्ताव हुए लेकिन असल में दो बड़े प्रस्ताव 1. हुए हैं। एक प्रस्ताव तो खैर यही कि दुनिया में लड़ाई नहीं हो और इसलिए जो बड़े- बड़े हथियार है बड़े देशों में, उनको हटा देना चाहिए, उनका अन्त कर देना चाहिए, चाहे एटम बम हो चाहे और कोई हो। और दूसरा प्रस्ताव हमारी पंचवर्षीय योजना का कि कैसे देश की ऊन्नति हो। इन तीन दिनों में आप लोगों ने बहुत प्रेम से मेरा स्वागत किया, इसके लिए आपसे क्या कहूँ, सिवाए इसके कि मेरे दिल पर इसका बड़ा असर हुआ, और जो तीन दिन यहा रायपुर में रहा और इसके पहले वहां भिलाई जाना, यह मुझे बहुत याद रहेगा, विशेषकर आपका प्रेम तो उसके लिए धन्यवाद।''

कांग्रेस सम्मेलन में रायपुर आए थे नेहरू, शास्त्री....

शास्त्री जी सहित कांग्रेसी साइंस कालेज के छात्रावासमें ठहरे थे

शंकर पांडे

छत्तीसगढ़ में कांगेस का 85 वां अधिवेशन 24, 25 और 26 फरवरी को होनेवाला है पर बहुत ही कम लोग जानते हैं कि करीब 62 साल पहले कांग्रेस का राष्ट्रीय सम्मेलन रायपुर में हो चुका है। रायपुर में 1960 में कांग्रेस का राष्ट्रीय सम्मेलन हुआ था जिसमे पंडित जवाहर लाल नेहरू, लाल बहादुर शास्त्री, कमलापति त्रिपाठी जैसे वरिष्ठ कांग्रेसी नेता आए थे। पंडित जवाहर लाल नेहरू राजकुमार कॉलेज में रुके थे तो लाल बहादुर शास्त्री साइंस कालेज के छात्रावास के वार्डन के सरकारी आवास पर ठहरे थे । कमलापति त्रिपाठी सहित करीब 70-80 कांग्रेसी साइंस कालेज के छात्रावास (वर्तमान में उमदास मुखर्जी छात्रावास) में ठहरे थे। तब साइंस कॉलेज में शिक्षा ग्रहण कर रहे, छात्रावास में रह रहे वरिष्ठ अधिवक्ता तथा लेखक, चिंतक कनक तिवारी ने बताया, कोई 62 बरस पहले मैं विज्ञान महाविद्यालय रायपुर में छात्र और छात्रावास का प्रीफेक्ट भी था। दशहरा-दीवाली अवकाश में अखिल भारतीय

कांग्रेस सम्मेलन के कारण महाविद्यालय का मैदान, छात्रावास और उपलब्ध प्राध्यापक निवास भी आरक्षित कर दिए गए थे। रायपुर के तत्कालीन विधायक शारदाचरण तिवारी की मदद ने मुझे अपने ही छात्रावास में ठहरने वाले अतिथियों के लिए स्वागत सचिव बनवा दिया। छात्रावास में उत्तरप्रदेश एवं अन्य प्रदेशों से आने वाले प्रतिनिधियों के ठहरने का प्रबंध था। जवाहरलाल नेहरू के कारण राष्ट्रीय एकीकरण के नारे का नशा छाया हुआ था। तब चौदह प्रदेशों के प्रतिनिधियों को छात्रावास में ठहरना था, हालांकि एक बड़ा हिस्सा उत्तरप्रदेश के लिए मुकर्रर था। पंडित कमलापति त्रिपाठी आए। एक छोटे कमरे में अपनी खड़ाऊ, पूजापाठ का खटराग तथा आस पास के कमरों में चरण स्पर्श करने वालों की छोटी टीम के साथ ठहर गए। चन्द्रभानु गुप्त बस भरकर प्रतिनिधियों के साथ आए। जानकारी लेने के बाद व्यवस्था को तहस नहस करते समर्थकों को खाली कमरों पर कब्जा जमा लेने का फरमान जारी कर दिया। खुश हुए कि मेरे पूर्वज कानपुर जिले के थे। सहसा सामने से एक कार को आता देख सभी चौंक गए। ड्रायवर ने मुझसे मेरे ही छात्रावास के अधीक्षक के बंगले का पता पूछा....चंद्रभानु गुप्त ने बताया कि कार में लाल बहादुर शास्त्री थे। उनके आवास का प्रबन्ध छात्रावास अधीक्षक के बंगले में था। कनक तिवारी ने बताया कि दूसरे दिन शास्त्री जी का ऑटोग्राफ लेने उनके पास पहुंच गया।

बहरहाल कांग्रेस का यह सम्मेलन अधिवेशन तो नहीं था क्योंकि 1961 में गुजरात में नीलम संजीव रेड्डी की अध्यक्षता में,1962 में भुवनेश्वर में कांग्रेस का अधिवेशन हुआ था। रायपुर में कांग्रेस के राष्ट्रीय सम्मेलन की जानकारी भी कई कांग्रेस नेताओं को नहीं है।

भारतीयों की स्वतंत्रता खतरे में : जयराम रमेश

नई दिल्ली। कांग्रेस के महाधिवेशन में शामिल होने रायपुर पहुंचे एआईसीसी के संचार प्रमुख जयराम रमेश ने कहा कि, इस समय भारतीयों की स्वतंत्रता खतरे में है। इस सरकार में पहले बोलने की स्वतंत्रता खत्म की गई और अब तो हालात ये हैं कि फ्रीडम ही खतरे में है । आज नई दिल्ली एयरपोर्ट पर गिरफ्तार कर लिए गए कांग्रेस नेता पवन खेड़ा और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस नेताओं के यहां पड़ रहे ईडी के छापेमारी पर के संदर्भ में जयराम रमेश बोल रहे थे। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी और अडानी की दोस्ती पर भी तंज कसा है।

मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कांग्रेस के तीन दिन के महाधिवेशन की जानकारी भी दी। उन्होंने बताया कि पहले दिन मतलब 24 तारीख को 10 बजे स्टीयरिंग कमेटी की बैठक होगी। शाम 4 बजे सब्जेक्ट कमेटी की बैठक होगी। जहां 6 प्रस्तावों पर चर्चा होगी। अगले दिन 25 तारीख को राजनीतिक, आर्थिक और अंतर्राष्ट्रीय विषयों पर चर्चा होगी। 26 तारीख को कृषि, किसान कल्याण, युवा रोजगार और शिक्षा एवं सामाजिक न्याय पर बात करेंगे। इसी दौरान स्टीयरिंग कमेटी के निर्णयों पर भी चर्चा की जाएगी।

एआईसीसी के संचार प्रमुख जयराम रमेश ने कहा- भारत जोड़ो यात्रा के बाद बीजेपी बौखलाई हुई है। भाजपा लगातार राहुल गांधी की आलोचना कर रही है। इससे साफ है कि बीजेपी घबराई हुई है। यात्रा समाप्त हो गई है, लेकिन उनकी घबराहट खत्म नहीं हुई। चार दिन पहले छत्तीसगढ़ में हमारे नेताओं पर ईडी के छापे पड़े। हमारे अधिवेशन को तोड़ने का प्रयास किया गया। आज सुबह मोदी सरकार की प्रतिशोध की राजनीति फिर दिखाई दी। हमारे मीडिया विभाग के प्रमुख पर तीन-तीन एफआईआर कर दी गई। उन्हें हवाई जहाज से उतार लिया गया। न्याय पालिका ने उन्हें राहत दी है। इससे हमें देखने को मिला कि टाइगर जिंदा है, सुप्रीम कोर्ट लोकतंत्र के लिए ज्योति है । हमारे देश के शहरों में मदर ऑफ डेमोक्रेसी के पोस्टर लगाए हुए हैं, लेकिन दरअसल ये मर्डर ऑफ डेमोक्रेसी है

हमको लगातार तरह-तरह से धमकी दी जा रही है, हम डरेंगे नहीं। पार्लियामेंट में हम जो बोलते हैं रिकार्ड से बाहर किया जाता है। पार्लियामेंट से बाहर हम बोलते हैं, तो हम पर एफआईआर कर दी जाती है। हमने 15 दिन में प्रधानमंत्री से 45 सवाल पूछे हैं, गौतम अडानी के घोटाले के संबंध में। अधिवेशन के बाद हम फिर पूछेंगे। इसे हमने %हम अडानी के हैं कौन श्रृंखला% कहा है। इसके तीन सवाल हम फिर पूछेंगे। सरकार इसमें बुरी तरह फंसी हुई है। प्रधानमंत्री की इसमें भूमिका है। करोड़ों भारतीयों की बचत को अडानी की कंपनियों में लगवाया गया है।

प्रमुख समाचार

विटद भूषण हरिचंदन ने छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के रूप में शपथ ली

रायपुर। विश्वभूषण हरिचंदन ने बृहस्पतिवार को राजधानी रायपुर स्थित राजभवन में आयोजित समारोह में छत्तीसगढ़ के नौवें राज्यपाल के रूप में शपथ ली। छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के रूप में नियुक्त होने से पहले हरिचंदन ने पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश के राज्यपाल के रूप में कार्य किया है। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अरूप कुमार गोस्वामी ने हरिचंदन को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। उन्होंने अनुसुइया उइके की जगह ली है। उईके को मणिपुर का राज्यपाल नियुक्त किया गया है।

सीएए कानून को लागू होने से कोई नहीं रोक सकता-आरिफ

तिरुवनंतपुरम । नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) पर मुख्यमंत्री पिनरई विजयन की टिप्पणी को लेकर राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने पलटवार किया है। राज्यपाल खान ने कहा कि वह अपनी राय रखने के लिए स्वतंत्र हैं, लेकिन कोई भी देश के कानून को लागू होने से नहीं रोक सकता है।

उन्होंने यह भी कहा कि वह उनकी राय है, लेकिन तीन तलाक अब कोई मुद्दा नहीं है, कानून 2019 में लागू किया गया था। बहुत सारी महिलाओं और बच्चों का भविष्य सुरक्षित हो गया है। अगर किसी को इससे कोई समस्या है तो मैं क्या कर सकता हूं। दरअसल, मुख्यमंत्री विजयन ने हाल ही में कहा कि केंद्र सरकार का सीएए पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश के अल्पसंख्यक हिंदुओं, सिखों, ईसाइयों, जैनियों और पारसियों को नागरिकता देने की सुविधा के लिए लाया गया है। उन्होंने जोर देकर कहा था कि इसे केरल में किसी भी कीमत पर लागू नहीं किया जाएगा। विजयन ने आरोप लगाया था कि केंद्र ने सीएए के जरिए नागरिकता तय करने के लिए धर्म का इस्तेमाल किया।

विशेषाधिकार हनन की जांच का आदेश लोकतंत्र विरासत के खिलाफ-भाकपा सांसद

नई दिल्ली। बजट सत्र के दौरान राज्यसभा में हंगामा करने और सदन की कार्यवाही में व्यवधान पैदा करने के लिए 12 विपक्षी सांसदों के खिलाफ विशेषाधिकार हनन की जांच करने के सभापति जगदीप धनखड़ के आदेश पर भाकपा सांसद ने सवाल खड़े किए हैं। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के सांसद बिनॉय विश्वम ने राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ को एक पत्र लिखा है। गुरुवार को लिए गए पत्र में उन्होंने कहा है कि 12 विपक्षी सांसदों द्वारा सदन में व्यवधान पैदा करने के लिए विशेषाधिकार समिति से जांच कराने का उनका फैसला संसद की लोकतांत्रिक विरासत के खिलाफ है। भाकपा सांसद बिनॉय विश्वम ने सभापति धनखड़ को लिखे गए पत्र में कहा मैं यह पत्र संसद के 12 सदस्यों के खिलाफ प्रक्रिया और कार्य संचालन नियमों के नियम 203 के तहत कथित विशेषाधिकार के उल्लंघन के सवाल का जिक्र करते हुए आप पर अपनी आपत्ति जताने के लिए लिखता हूं। मेरा दृढ़ विश्वास है कि यह कदम नियमों का उल्लंघन है।

कांग्रेसी सुरेश राउत्रे ने चुनावी राजनीति से लिया संन्यास

भुवनेश्वर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और छह बार के विधायक सुरेश राउत्रे ने गुरुवार को चुनावी राजनीति से संन्यास लेने की घोषणा की। उन्होंने यह भी कहा कि उनके बेटे मन्मथ राउत्रे ओडिशा की जटानी विधानसभा सीट से अगला चुनाव लड़ेंगे। संजय राउत्रे ने यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा, मैं अब चुनाव नहीं लड़ूंगा। हालांकि, मेरे सबसे छोटे बेटे मन्मथ राउत्रे कांग्रेस के टिकट पर जटानी विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगे। एक सवाल के जवाब में 80 वर्षीय राउत्रे ने कहा कि वह पिछले 55 साल से कांग्रेस के वफादार कार्यकर्ता थे और उनका भविष्य में पार्टी बदलने का कोई इरादा नहीं था। उन्होंने कहा, मैंने पहले ही पार्टी के प्रति अपनी वफादारी साबित कर दी है और 55 साल तक पार्टी की सेवा की है और कभी भी अपने निजी लाभ के लिए पार्टी का इस्तेमाल नहीं किया। मैं पार्टी के लिए ईमानदारी से काम कर बेहद संतुष्ट हूं और ऐसा करना जारी रखूंगा, भले ही मैं कोई चुनाव नहीं लड़ूंगा। बीजद अध्यक्ष और मुख्यमंत्री नवीन पटनायक से मुलाकात के कुछ दिन बाद राउत्रे की प्रेस कॉन्फ्रेंस होने के बाद अटकलें लगाई जा रही थीं कि उनके बेटे मन्मथ क्षेत्रीय पार्टी में शामिल हो सकते हैं।

येदियुरप्पा ने चुनावी राजनीति से लिया संन्यास

बेंगलुरू। कर्नाटक में इस साल विधानसभा के चुनाव होने हैं। चुनावी साल में कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता बीएस येदियुरप्पा ने चुनावी राजनीति से संन्यास की घोषणा कर दी है। उन्होंने विधानसभा में अपने विदाई भाषण में कहा कि वह अंतिम सांस तक इमानदारी से पार्टी को मजबूत करने और उसे सत्ता में लाने का प्रयास करते रहेंगे। बीएस येदियुरप्पा की गिनती भाजपा के उन नेताओं में होगी जिन्होंने दक्षिण भारत में पार्टी को मजबूत करने का काम किया है। दक्षिण भारत के एकमात्र राज्य कर्नाटक में येदियुरप्पा चार बार मुख्यमंत्री पद की कुर्सी संभाल चुके हैं। हालांकि येदियुरप्पा ने यह भी कहा कि उनके घर बैठने का कोई सवाल नहीं है। वह विधानसभा सत्र के बाद राज्य का दौरा करेंगे और भाजपा तथा उसके उम्मीदवारों के लिए प्रचार करेंगे। येदियुरप्पा ने भाजपा के विधायकों से लोगों के बीच विश्वास के साथ जाने और वोट मांगने का आग्रह किया। इसके साथ उन्होंने दावा किया कि भाजपा स्पष्ट रूप से बहुमत के साथ एक बार फिर से सत्ता में वापसी करेगी।

खालिस्तान पर सॉफ्ट कॉर्नर, लौट सकता है आतंक का दौर

जितेंद्र भारद्वाज

अलगाववादी खालिस्तानी समूह वारिस पंजाब दे का स्वयंभू प्रमुख अमृत पाल सिंह खुद को जरनैल सिंह भिंडरावाले 2.0 के रूप में स्थापित करने की कोशिश कर रहा है। भिंडरावाले का नया अवतार भारी हथियारों से लैस निहंग सिखों की एक सेना के साथ चलता है जो जहां भी जाते हैं उस पर फूलों की पंखुड़ियां बरसाते हैं और भड़काऊ गाने गाते हैं। अमृत पाल सिंह ने हाल ही में स्वर्ण मंदिर परिसर दरबार साहिब में अपने भारी हथियारों से लैस लोगों के समूह फौजान के साथ प्रवेश किया। अमृत ??पाल सिंह ने सिख धर्म को बढ़ावा देने के लिए हाल ही में एक महीने तक चलने वाले मार्च पंथिक वहीर की शुरुआत की। देश की सुरक्षा एजेंसियां ??इस कट्टरपंथी अलगाववादी सिख की गतिविधियों पर नजर रख रही हैं, जो कथित तौर पर धर्म की आड़ में और नशा उन्मूलन के लिए अपने अलगाववादी एजेंडे को आगे बढ़ा रहा।

सिंह अपने समर्थकों को संबोधित करते हुए खुले तौर पर एक अलग खालिस्तान के निर्माण की वकालत करता रहता है। वो कहता है कि सरकार जो कुछ भी कर रही है वही हिटलर ने यहूदियों के साथ किया। दिल्ली ने हमारे नरसंहार का मास्टरमाइंड बनाया। हिंदुओं, मुसलमानों और ईसाइयों के अपने देश हैं। इसलिए अगर सिख अपनी मातृभूमि के लिए लड़ते हैं तो इसमें कुछ भी गलत नहीं है। हम गुलाम हैं और एक हिंदू सरकार द्वारा शासित हैं। सिखों और अन्य लोगों के लिए अलग कानून हैं।

पंजाब में आए दिन खालिस्तान समर्थकों द्वारा कानून तोड़ा जा रहा है। पुलिस पर हमला हो रहा है। बड़े नेताओं को अटैक की धमकी मिल रही है। केंद्रीय गृह मंत्रालय, ऐसी घटनाओं पर नजर रखे हुए है। जानकारों का कहना है कि पंजाब में जो कुछ चल रहा है, वह ठीक नहीं है। खालिस्तान पर आंखें मूंदना, बहुत महंगा पड़ सकता है। पड़ोसी मुल्क के बहकावे में इंदिरा गांधी और बेअंत सिंह के

बलिदान को व्यर्थ करने की साजिश रची जा रही है। पंजाब में लंबे समय तक इंटेलिजेंस से जुड़े रहे एक अधिकारी नाम न छापने की शर्त पर बताते हैं, खालिस्तान को लेकर सियासतदानों की तरफ से सॉफ्ट कॉर्नर की पॉलिसी, राज्य की युवा पीढ़ी को तबाही के रास्ते पर ले जा सकती है।

समर्थकों ने लगाए खालिस्तान जिंदाबाद के नारे- गुरुवार को पंजाब के अजनाला में पुलिस और खालिस्तान समर्थक संगठन वारिस पंजाब दे के लोगों के बीच बड़ी झड़प हो गई। हजारों लोगों ने अमृतसर के अजनाला थाने पर हमला कर दिया। उनके हाथों में बंदूकें और तलवारें थीं। वे लोग संगठन के प्रमुख अमृतपाल सिंह के साथी तूफान सिंह की गिरफ्तारी का विरोध कर रहे थे। बाद में पंजाब पुलिस ने आरोपी को रिहा करने का एलान कर दिया। उससे पहले उग्र भीड़ थाने के भीतर घुस आई। इस झड़प में करीब आधा दर्जन पुलिसकर्मी घायल हो गए हैं। दूसरे पक्ष के लोगों को भी चोट लगने की बात कही जा रही है। अमृतपाल के समर्थकों ने खालिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए।

पूर्व आईपीएस अधिकारी बताते हैं कि पंजाब में कानून व्यवस्था के मामले में यह ढील ठीक नहीं है। शासन प्रशासन की जरा सी ढिलाई, अस्सी के दौर वाली मिलिटेंसी का दौर लौटा सकती है। खालिस्तान को पड़ोसी मुल्क से तो समर्थन मिल ही रहा है, मगर बड़ी बात यह है कि अपने ही देश में उनका अपना कोई तो मददगार है। पिछले कुछ वर्षों से पंजाब में खालिस्तान विंग अपना विस्तार कर रही है। अधिकांश जिलों में इसके सहयोगी संगठन खड़े हो गए हैं। खालिस्तान मूवमेंट को राजनीतिक समर्थन मिल रहा है। पंजाब में पाकिस्तान सीमा से हथियार और नशे की खेप आ रही है। मोहाली स्थित पुलिस के इंटेलिजेंस हेडक्वार्टर पर रॉकेट लांचर से हमला होता है। उसके बाद भारत-पाकिस्तान सीमा से 40 किलोमीटर दूर सरहाली थाने पर राकेट प्रोपेल्ड ग्रेनेड का हमला होता है। पुलिस की जांच शुरू भी नहीं होती, जब तक खालिस्तान संगठन, हमले की जिम्मेदारी ले लेते हैं। पंजाब में खालिस्तान के पोस्टर बैनर दिखना आम बात हो चली है।

अमृतपाल सिंह पर हाथ नहीं डाल पा रही पंजाब पुलिस - सिख प्रचारक एवं जरनैल सिंह भिंडरांवाले का समर्थक अमृपाल सिंह संधू, खुलेआम खालिस्तान का प्रचार कर रहा है। वह छिपकर या अंधेरे में ऐसा नहीं कर रहा, बल्कि दिन दहाड़े खालिस्तान के नारे बुलंद करता है। वारिस पंजाब दे संगठन से जुड़े अमृतपाल सिंह कहता है, वह हर उस इंसान के साथ हैं जो खालिस्तान का समर्थन करता है। एसजीपीसी को केंद्र के हिसाब से नहीं, बल्कि अपने संविधान के मुताबिक चलना चाहिए। विदेश में बैठे आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू के बारे में संधू ने कहा, सरकार किसी को भी आतंकी या साधु घोषित कर देती है। आज भी सब पंजाबी गुलाम हैं। जो लोग सोचते हैं कि हम आजाद हैं, उन्हें डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए। इस तरह की बातें करने वाले संधू को लेकर पंजाब सरकार चुप है।

कनाडा और यूएस से अपनी गतिविधियां चला रहे सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) के संस्थापक एवं खालिस्तानी नेता गुरपतवंत सिंह पन्नू के खिलाफ इंटरपोल द्वारा रेड कॉर्नर नोटिस जारी नहीं हो सका है। पंजाब पुलिस, सेकंड भिंडरावाला यानी अमृतपाल सिंह, पर हाथ डालने का साहस नहीं जुटा पा रही है। नशे और बेरोजगारी जैसे मुद्दों की आड़ में युवाओं को गैर कानूनी कार्यों की तरफ धकेला जा रहा है। खालिस्तान का समर्थन करने वाले सिमरनजीत सिंह मान, पंजाब के संगरूर से लोकसभा सांसद चुने जाते हैं।

मुख्यमंत्री का भेंट-मुलाकात कार्यक्रम नन्ही मोहनी के लिए बना वरदान

दूर हुई पिता की चिंता, मुख्यमंत्री के निर्देश पर शुगर पीड़ित बालिका को मिल रहा बेहतर इलाज

तखतपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का भेंट-मुलाकात कार्यक्रम शुगर पीड़ित दस वर्षीय बालिका मोहनी कौशिक के लिए वरदान साबित हुआ है। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने तखतपुर विधानसभा के ग्राम खैरी में विगत 18 जनवरी को आयोजित भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के दौरान सकरी तहसील के ग्राम बहतराई निवासी श्री प्रमोद कौशिक से किये गये वायदे को कुछ ही दिनों में पूरा कर दिया है। श्री कौशिक ने अपनी पुत्री मोहनी कौशिक की शिक्षा और स्वास्थ्य में सहयोग करने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया था। मोहनी, शुगर के टाईप-1 डायबिटीस मेलाईटस बीमारी से ग्रस्त है, इसमें शुगर की मात्रा बढऩे से नियमित रूप इंसुलिन की जरूरत पड़ती है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर नन्ही मोहनी का अब बेहतर इलाज चल रहा है।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भेंट-मुलाकात के जरिए प्रदेश की जनता से रूबरू हो रहे हैं और इस दौरान जनता की समस्याओं का निराकरण भी कर रहे हैं। इस दौरान ग्राम खैरी में मुख्यमंत्री श्री बघेल द्वारा शासकीय

योजनाओं के क्रियान्वयन का फीडबैक और ग्रामीणों से उनकी समस्याओं और शिकायतों के संबंध में पूछताछ करते समय बात-चीत में श्री कौशिक ने बताया कि उनकी 10 वर्षीय पुत्री को शुगर की बीमारी है। उसे नियमित रूप से इंसुलिन लेने की जरूरत पड़ती है। उन्होंने बीमारी के इलाज में सहयोग की गुहार मुख्यमंत्री से लगाई थी। मुख्यमंत्री ने उन्हें बेहतर इलाज करवाने का भरोसा दिलाया था। श्री बघेल ने मोहनी की समस्या को गंभीरता से लेते हुए स्वास्थ्य विभाग की टीम को उचित स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने एवं बेहतर इलाज के लिए निर्देश दिए। तखतपुर आर.बी.एस.के. टीम द्वारा मोहनी को बिलासपुर जिला अस्पताल के जिला शीघ्र हस्तक्षेप केंद्र (डी.ई.आई.सी.) रिफर किया गया। जिला अस्पताल एवं डी.ई.आई.सी. टीम द्वारा अब मोहनी का बेहतर उपचार किया जा रहा है। साथ ही मोहनी और उसके परिवार को उचित परामर्श देते हुए इंसुलिन भी उपलब्ध कराया जा रहा है।

शिक्षण संस्थान में स्कूली बच्चों से कांग्रेस पार्टी के नारे लगवाना शर्मनाक : केदार

जगदलपुर। पूर्व शिक्षा मंत्री और भाजपा प्रदेश महामंत्री केदार कश्यप ने कांग्रेस के नेताओं के द्वारा स्कूली बच्चों से नारे लगाने को लेकर उन्होने कहा कि बस्तर में कांग्रेस के पास कार्यकर्ताओं की कमी हो गई है, इसलिए शिक्षण संस्थान में छोटे-छोटे स्कूली बच्चों से कांग्रेस पार्टी जिंदाबाद के नारा लगवा रहे हैं, यह बेहद ही शर्म की बात है।

केदार ने कहा कि 15 साल के भाजपा शासनकाल में कभी भी हमारे नेताओं ने स्कूली बच्चों से राजनीतिक नारे या पार्टी जिंदाबाद के नारे नही लगवाए, लेकिन सत्ता के नशे में चूर कांग्रेसी नेता बच्चों से स्कूल में कांग्रेस पार्टी जिंदाबाद के नारे लगवा रहे हैं, ये सरासर गलत है। उन्होंने कहा कि अब बस्तर में कांग्रेस के पास इतने भी कार्यकर्ता नहीं बचे हैं कि वो अपने कार्यक्रमों में कांग्रेसी कार्यकर्ताओं की भीड़ इकट्ठा कर पाएं, इसलिए मासूम स्कूली बच्चों से कांग्रेस पार्टी जिंदाबाद के नारे लगवा रहे हैं।

गौरतलब है कि विगत दिनों बस्तर जिले के दरभा ब्लॉक के नक्सल प्रभावित गांव कोलेंग में बनाए गए 100 सीटर आदिवासी छात्रावास का

लोकार्पण करने बस्तर के सांसद दीपक बैज और जगदलपुर के विधायक रेखचंद जैन स्थानीय जनप्रतिनिधियो के साथ पहुंचे हुए थे। इस उद्घाटन समारोह में बड़ी संख्या में प्राइमरी स्कूल के बच्चे भी मौजूद थे, यहां जगदलपुर विधायक रेखचंद जैन ने बच्चों से कांग्रेस पार्टी जिंदाबाद के नारे लगवाए, जिसे लेकर पूर्व मंत्री केदार कश्यप ने विधायक रेखचंद जैन को घेरते हुए कहा कि अब बस्तर में कांग्रेस के पास इतने भी कार्यकर्ता नहीं बचे हैं कि वो अपने कार्यक्रमों में कांग्रेसी कार्यकर्ताओं की भीड़ इकट्ठा कर पाएं, इसीलिए शिक्षण संस्था में स्कूली बच्चों से कांग्रेस पार्टी के जिंदाबाद के नारे लगवा रहे हैं।

बड़े बकायादार 25 तक जमा करे बकाया राशि, अन्यथा सील होंगे भवन दुकान

कोरबा। आयुक्त प्रभाकर पाण्डेय ने निगम के बड़े बकायादारों द्वारा बकाया राशि जमा न करने को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए हैं कि बड़े बकायादारों से 25 फरवरी तक सम्पूर्ण बकाया राशि निगम कोष में जमा कराएं यदि उक्त अवधि में उनके द्वारा बकाया राशि जमा नहीं की जाती तो भवन, दुकान, प्रतिष्ठान को सील करने की कार्यवाही करें। उन्होने अनियमित विकास के नियमितीकरण के संबंध में सर्वेक्षण का कार्य शीघ्र पूरा करने तथा अनियमित निर्माण के शतप्रतिशत प्रकरणों के आवेदन जमा कराने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए।

आयुक्त प्रभाकर पाण्डेय ने नगर पालिक निगम कोरबा के मुख्य प्रशासनिक भवन साकेत में निगम के जोन कमिश्नरों, अभियंताओं व अन्य अधिकारियों की बैठक लेकर निगम के विविध कार्यो की बिन्दुवार समीक्षा की। यहाँ उल्लेखनीय है कि एक बड़ी संख्या निगम के ऐसे बकायादारों की है, जिन पर 50 हजार रूपये से 08-10 रूपये तक की कर राशि बकाया है, निगम द्वारा डिमांड, नोटिस, वारंट आदि की सभी औपचारिकताएं पूर्ण किए जाने एवं बार-बार समझाईश दिए जाने के बावजूद इनके द्वारा बकाया राशि जमा नहीं कराई जा रही, जिसे गंभीरता लेते हुए आयुक्त प्रभाकर पाण्डेय ने निगम अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए हैं कि इन बड़े बकायादारों से 25 फरवरी तक बकाया राशि जमा कराएं अन्यथा उनके भवन, दुकान, प्रतिष्ठान को सील करने की कार्यवाही करें। उन्होने राजस्व वसूली कार्यो में तेजी लाने तथा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के निर्देश भी

अधिकारियों को दिए। अनियमित विकास के नियमितीकरण संबंधी कार्यो की समीक्षा करते हुए आयुक्त पाण्डेय ने सर्वेक्षण का कार्य शीघ्र पूरा करने तथा सर्वे में प्राप्त अनियमित विकास के शतप्रतिशत प्रकरणों पर आवेदन जमा कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए। अनियमित निर्माण के लगभग 3500 प्रकरणों पर नोटिस जारी की गई है तथा 25 भवनों, दुकानों पर सीलिंग की कार्यवाही भी कराई गई है। आयुक्त पाण्डेय ने अधिकारियों से कहा कि जिन प्रकरणों पर नोटिस जारी की गई है, उन्हें फालोअप करें तथा अनिवार्य रूप से आवेदन जमा कराएं, इसी प्रकार जमा होने वाले आवेदनों पर नियमितीकरण की कार्यवाही पूरी करें।

शासकीय योजनाओं की कार्यप्रगति की समीक्षा - आयुक्त प्रभाकर पाण्डेय ने बैठक के दौरान शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की कार्यप्रगति की योजनावार समीक्षा की तथा योजनाओं के त्रुटिरहित संचालन के संबंध में अधिकारियों का मार्गदर्शन किया। उन्होने गोधन न्याय योजना, मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना, धन्वंतरी योजना, मुख्यमंत्री मितान योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना सहित अन्य योजनाओं की कार्यप्रगति की समीक्षा करते हुए गोबर की खरीदी, कम्पोस्ट का निर्माण एवं बिक्री, मोबाईल मेडिकल यूनिटों में दवाओं की उपलब्धता एवं जांच की सुविधा, जेनेरिक दवाओं की बिक्री एवं दवा खरीदी पर लोगों को हुई बचत, मितान योजना अंतर्गत लाभान्वित हितग्राहियों की संख्या, पी.एम.ए.वाई. अंतर्गत आवासगृहों का निर्माण एवं उनका आबंटन, प्रगतिरत आवासगृहों की संख्या आदि की जानकारी लेते हुए योजनाओं के बेहतर संचालन के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

पेयजल व्यवस्था पर फोकस - आयुक्त पाण्डेय ने अधिकारियों से कहा कि ग्रीष्म ऋतु का आगमन होने जा रहा है, इस मौसम में कहीं पर भी पेयजल की दिक्कत न हों, पर्याप्त पानी की उपलब्धता बनी रहे, पेयजल आपूर्ति बाधित न हो तथा लोगों के घरों तक पेयजल की आपूर्ति बिना बाधा के हो, यह सुनिश्चित कराएं। उन्होने कहा कि सम्पूर्ण निगम क्षेत्र में पाईप लाईनें बिछाई जा चुकी है किन्तु यदि आवश्यकता पड़े तो पेयजल आपूर्ति हेतु पानी टैंकरों का भी पूरा उपयोग करें।

विकास व निर्माण कार्यो की समीक्षा - बैठक के दौरान आयुक्त पाण्डेय ने निगम के प्रगतिरत व प्रस्तावित विकास एवं निर्माण कार्यो की कार्यप्रगति की जोनवार समीक्षा की। उन्होने जिला खनिज न्यास मद, अधोसंरचना, वित्त आयोग मद, निगम मद, सांसद मद, विधायक मद, महापौर मद, पार्षद मद, एल्डरमेननिधि, मरम्मत संधारण सहित अन्य विभिन्न मदों के अंतर्गत कराए जा रहे कार्यो की कार्यप्रगति की जोनवार समीक्षा की।

बस कंडक्टर को टक्कर मारते हुए नाली में घुसी कार

चाय शॉप-डिवाइडर में भी टकराई, चालक फरार

सक्ती। सक्ती जिले मे प्रतीक्षा बस स्टैंड में गुरुवार की सुबह एक भीषण सड़क हादसा हो गया। सक्ती के प्रतीक्षा बस स्टैंड से चांपा की ओर जाने के लिए निकली गदाधारी बस के कंडक्टर को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मारी है, की बस कंडक्टर को सिर पर गंभीर चोट आई है। वह घटना स्थल पर ही लहू लुहान हो गया जिसे आस-पास के लोगो ने उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना सक्ती थाना क्षेत्र की प्रतीक्षा बस स्टैंड का है।

मिली जानकारी के अनुसार, सक्ती के प्रतीक्षा बस स्टैंड से गुरुवार की सुबह 7:30 बजे जब सक्ती से चांपा की ओर जाने के लिए गदाधारी बस निकली थी। गदाधारी बस का कंडस्टर राजकुमार साहू पिता कौशल साहू उम्र लगभग 30 वर्ष सवारी बुलाने के लिए बस से नीचे उतरा हुआ था, और सवारी बस में बैठाने के लिए रोड से बुला रहा था उसी समय जेठा की ओर से आ रही तेज रफ्तार हुंडई कार संख्या छ्ल 11 क्क0476 के चालक ने बस कंडक्टर राजकुमार साहू को ठोकर मार दी।

हुंडई कार की रफ्तार इतनी तेज थी की कार कंडक्टर राजकुमार को ठोकर मारने के बाद वहां सड़क किनारे लगे चाय दुकान के अंदर घुस गई। जहां चाय दुकान मालिक और अन्य लोग भी चाय नाश्ता कर रहे थे। दुकान को तोड़ते हुए उप पंजीयक कार्यालय के सामने बने डिवाइडर को तोड़ा जिसके बाद कार नाली मे जा गिरी है। मौके पर उपस्थित लोगो ने बस कंडक्टर राजकुमार को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सक्ती लाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे रायपुर रेफर कर दिया गया है।

कंडक्टर की हालत गंभीर बनी हुई है। बताया जा रहा है की कार चालक का नाम प्रकाश साहू है। प्रकाश साहू भाजपा सक्ती नगर मंडल सोशल मीडिया प्रभारी है। वहीं मौके पर कार चालक फरार हो गया है पुलिस को सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंचकर कार को अपने कब्जे में लिया है और चालक की तलाश की जा रही है। कार के सामने का हिस्सा भी बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हुआ है।

निर्वाचन के दौरान विभिन्न गतिविधियों के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त

कांकेर। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़ रायपुर से प्राप्त निर्देशों के परिपालन में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. प्रियंका शुक्ला द्वारा निर्वाचन के दौरान विभिन्न गतिविधियों के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। मतदान दल का गठन

एवं मतदान, मतगणना एवं कर्मचारियों हेतु प्रषिक्षण की व्यवस्था आदि कार्य हेतु अधिकारी-कर्मचारियों की व्यवस्था करने के लिए जिला षिक्षा अधिकारी भुवन जैन को नोडल अधिकारी बनाया गया है। इसी प्रकार मतदान एवं मतगणना हेतु उपयोग में लगने वाले फार्म, लिफाफे व अन्य लेखन सामग्रियों की व्यवस्था हेतु जिला विपणन अधिकारी आशुतोष कोसरिया, वाहन व्यवस्था के लिए जिला परिवहन अधिकारी अतुल असैय्या, आईटी साइबर सुरक्षा एवं कम्युनिकेशन प्लान के लिए जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी रोहित सिंह आसवाल, स्वीप अंतर्गत मतदाता जागरूकता अभियान, मतदान केन्द्रों में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुमीत अग्रवाल, कानून व्यवस्था एवं व्हीएम सिक्युरिटी प्लान हेतु पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा, ईव्हीएम एवं व्हीव्हीपैट से संबंधित समस्त कार्य के लिए पीएमजीएसवाय के कार्यपालन अभियंता मनोज कुमार रात्रे, एमसीसी हेतु अपर कलेक्टर एस.अहिरवार, निर्वाचन व्यय अनुवीक्षण के लिए जिला कोषालय अधिकारी रामानंद कुंजाम, मतपत्र, डाक मतपत्र के लिए आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त श्रीकांत कसेर, मीडिया प्रमाणन एवं पेड न्यूज हेतु जनसंपर्क विभाग के उप संचालक सुरेन्द्र ठाकुर, मतदाता सूची से संबंधित अन्य कार्य के लिए संयुक्त कलेक्टर अंजोर सिंह पैकरा, नियंत्रण कक्ष, वोटर हेल्पलाईन, षिकायत समाधान हेतु पंचायत विभाग के उप संचालक कमल सिदार और भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त प्रेक्षकों के आगमन एवं भ्रमण के दौरान समुचित व्यवस्था के लिए कृषि विभाग के उप संचालक एन.के. नागेश को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

नक्सलियों ने प्रेस नोट जारी कर 3 लोगों को मारने की दी धमकी

नारायणपुर। नक्सलियों के पूर्व बस्तर डिवीजन प्रवक्ता नीति ने हत्या की धमकी भरा जारी प्रेस नोट निको माइनिंग कंपनी में एजेंट का काम करने वाले तीन लोगों के नाम जारी

कर हत्या करने की धमकी देते हुए लिखा है कि जिस तरह भाजपा नेता सागर साहू को माइनिंग कंपनी की दलाली नहीं करने का आगाह किया गया था, बात नहीं मानने पर मौत के घाट उतारा गया। नक्सली प्रेस नोट निको माइनिंग कंपनी में एजेंट का काम करने वाले वैद्यराज, कोमल मांझी, हरी राम मांझी को जनता के सामने जाकर अपनी गलती मानने की चेतावनी दी है, नहीं मानने पर सागर साहू जैसे मौत की सजा देने की बात कही गई है, वहीं लोगों को कंपनी में दलाली नहीं करने की चेतावनी दी है।

31 मई तक जिले में ध्वनि विस्तारक यंत्र पर प्रतिबंध

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल रायपुर द्वारा आयोजित हाईस्कूल/हायर सेकण्डरी मुख्य परीक्षा एवं शारीरिक प्रशिक्षण पत्रोपाधि परीक्षा तथा आगामी माह से आयोजित विश्वविद्यालयीन

परीक्षाएं को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री प्रभात मलिक ने छत्तीसगढ़ कोलाहल नियत्रंण अधिनियम 1985 की धारा 18 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए 22 फरवरी 2023 से 31 मई 2023 तक गरियाबंद जिला क्षेत्रांतर्गत ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग पर प्रतिबंधित किया है। जिला दण्डाधिकारी के आदेशानुसार विशेष परिस्थितियों एवं शासकीय कार्यो के लिए ध्वनि विस्तारक यंत्रों की उपयोग करने की अनुमति संबंधित अनुभाग के अनुविभागीय दण्डाधिकारी कोलाहल नियत्रंण अधिनियम 1985 में उल्लेखित शर्तो के अधीन देंगे। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी का यह आदेश तत्काल प्रभावशील हो गया है।

प्रेरणा ने यूरोप में जीता मिसेज यूनिवर्स का दो खिताब

भिलाई। भिलाई की प्रेरणा धाबर्डे ने मिसेज

यूनिवर्स 2022 -23 प्रतियोगिता में यूरोपियन देश बल्गारिया की राजधानी सोफिया से दो खिताब अपने नाम किए। मातृभूमि लौटने पर प्रेरणा धाबर्डे का पांच सौ से अधिक छत्तीसगढ़वासियों ने रायपुर एयरपोर्ट से लेकर भिलाई के तालपुरी निवास स्थान तक शानदार स्वागत किया गया। जगह-जगह होर्डिंग, बैनर और कट आउट लगाए गए थे। बैंड बाजा और 40 गाड़ियों का काफिला एयरपोर्ट से खुली गाड़ी में पटाखों आतिशबाजी के साथ रायपुर चौक ,कुम्हारी और पावर हाउस चौक भिलाई में रुका। जहां विभिन्न समाज व संगठनों के प्रतिनिधियों ने मिसेज यूनिवर्स का स्वागत किया। पॉवर हाउस चौक पर डॉ बाबासाहेब आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। विभिन्न समाज, समितियों और जाति धर्म के लोगों ने उन्हें छत्तीसगढ़ का और भारत का गौरव कहा। श्रमिक परिवारों ने नाच गाकर स्वागत किया।

22 किलो गांजा के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

जगदलपुर। जिले के बकावंड थाना अंर्तगत ग्राम पीठापुर भैसावेडा चौक के पास गुरूवार सुबह पुलिस ने ओड़िसा से गांजा तस्करी कर परिवहन करने बस/टेक्सी वाहन का इंतजार रहे 01 गांजा तस्कर बलदेव भतरा पिता स्व. बुधराम भतरा निवासी बोरगांव पुजारी पारा थाना कोसागुमड़ा उडिसा को गिरफ्तार कर गांजा तस्कर के कब्जे से 22 किलो से अधिक गांजा बरामद किया है। बरामद गांजा की अनुमानित बाजार मूल्य 02 लाख 22 हजार रुपये आंकी गई है। गिरफ्तार गांजा तस्कर के विरूद्ध थाना बकावंड में धारा-20 (ख) एनडीपीएस. एक्ट के तहत कार्यवाही उपरांत न्यायालय में पेश किया गया। सीएसपी विकास कुमार ने बताया की बकावंड पुलिस को मुखबीर से जानकारी मिली कि भैसावेडा चौक के पास आने जाने वाले मेन रोड पर एक व्यक्ति जो नीला रंग का जैकेट व काला रंग का जींस पहना है, जो अपने पास एक मेहरून रंग का लाईनदार बैंग रखा है, जो बैग के अंदर अवैध मादक पदार्थ गांजा को छिपाकर बिक्री हेतु परिवहन करने बस / टेक्सी वाहन का इंतजार कर रहा है।

ठंड से बचने जलाई गई आग से जल गया घर

अंबिकापुर। अंबिकापुर नगर से लगे कांतिप्रकाशपुर में बीती रात खाना बनाने के लिए लगाई गई आग के फैलने से घर में सो रही बुजुर्ग की जलकर मौत हो गई, वहीं उसका पति भी झुलस गया। आसपास के लोगों ने जलते हुए बुजुर्ग को बचा लिया। उसे मेडिकल कालेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एएसपी विवेक शुक्ला ने बताया कि ग्राम कांतिप्रकाशपुर में जगमोहन तुरिया (63) अपनी पत्नी धनेश्वरी इंदवार (62) के साथ रहता था। उसके घर में उसका पुत्र सूरज, पुत्रवधु सहित पोता-पोती भी रहते हैं। जगमोहन और धनेश्वरी घर के अलग रहते हैं और अपने कमरे में ही खुद अपना खाना बनाते खाते थे। वो बांस की टोकनी, सूप आदि बनाने और बेचने का काम करते थे। बुधवार की रात घर में बुजुर्ग दंपती अकेले थे। रात में नौ बजे के करीब धनेश्वरी ने खाना बनाया। खाना खाकर पति-पत्नी सो गए। रात के करीब 10 बजे उनके कमरे से धुआं उठता देख पड़ोसियों ने शोर मचाया। मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। ग्रामीणों ने मिलकर आग बुझाई।

विधायक नाग की अनुशंसा से विकास कार्यों के लिए राशि स्वीकृत

उत्तर बस्तर कांकेर। विधानसभा क्षेत्र अंतागढ़ के विधायक अनूप नाग की अनुशंसा पर कलेक्टर डॉ. प्रियंका शुक्ला द्वारा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र विकास योजनांतर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए सामुदायिक भवन निर्माण, रंगमंच, आंगनबाड़ी भवन और सीसी सड़क निर्माण कार्य हेतु 80 लाख 98 हजार रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है।

कोयलीबेड़ा विकासखण्ड अंतर्गत कोयलीबेड़ा निषादपारा, ग्राम पंचायत पाड़ेगा पी.व्ही. 85 मंदिर के पास, ग्राम पंचायत शंकरनगर पी.व्ही. 84 मंदिर के पास, दुर्गापुर के पी.व्ही. 127 अनुपपुर, बैकुण्ठपुर के पी.व्ही. 120 हरिश्चंद्र मंदिर के पास सामुदायिक भवन निर्माण के लिए

04-04 लाख रुपये स्वीकृत किया गया है। इसी प्रकार ग्राम पंचायत उदयपुर नरनारायण सेवा आश्रम के पास रंगमंच निर्माण हेतु 05 लाख रुपये, ग्राम पंचायत माटोली में शीतला मंदिर के पास और द्वारकापुरी पी.व्ही. 57 में मंदिर के पास रंगमंच निर्माण के लिए 03-03 लाख रुपये, ग्राम पंचायत नागलदण्ड के प्राथमिक शाला पी.व्ही. 89 में शौचालय निर्माण हेतु 03 लाख रूपये, ग्राम पंचायत द्वारिकापुरी में मुक्तिधाम रास्ते पर आरआरसी पुलिया निर्माण हेतु 06 लाख रूपये, ग्राम पंचायत विजयनगर के गोविन्दपुर मुख्य मार्ग से खेल मैदान तक सीसी सड़क निर्माण के लिए 05 लाख 20 हजार रूपये, बांदे कॉलोनी कन्या छात्रावास से शांतिपारा तक सीसी सड़क निर्माण के लिए 05 लाख 20 हजार रूपये, ग्राम पंचायत उलिया के पी.व्ही. 97 के मुक्तिधाम में प्रतिक्षालय शेड निर्माण के लिए 04 लाख 79 हजार रुपये, ग्राम पंचायत लक्ष्मीपुर के चैतन्यपुर पी.व्ही. 131 के मुक्तिधाम प्रतिक्षालय शेड निर्माण के लिए 04 लाख 79 हजार रूपये, ग्राम पंचायत मरोड़ा में खेल सामग्री क्रय करने हेतु 01 लाख रूपये और पखांजूर के हरिचांद सेवा आश्रम के पास सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 05 लाख रूपये स्वीकृत किया गया है। इसी प्रकार विकासखण्ड अंतागढ़ ग्राम पंचायत ताड़ोकी और अंतागढ़ में सामुदायिक भवन निर्माण महिला कलस्टर के लिए 05-05 लाख रूपये और अंतागढ़ वार्ड क्रमांक 14 में आंगनबाड़ी भवन निर्माण के लिए 05 लाख रूपये स्वीकृत किया गया है। उक्त निर्माण कार्य हेतु जनपद पंचायत कोयलीबेड़ा एवं अंतागढ़ के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को क्रियान्वयन एजेंसी नियुक्त किया गया है।

विभिन्न व्यवसायों के लिए हितग्राहियों को ऋण अनुमोदित

गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही। विधायक डॉ. के.के. ध्रुव की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट के अरपा सभाकक्ष में आयोजित जिला स्तरीय हितग्राही चयन समिति की बैठक में विभिन्न व्यवसायों के लिए 8 हितग्राहियों को 31 लाख 86 हजार रुपए का ऋण अनुमोदित किया गया। बैठक में कलेक्टर श्रीमती प्रियंका ऋषि महोबिया, सांसद प्रतिनिधि श्री कन्हैया राठौर, विधायक प्रतिनिधि श्री गणेश जयसवाल एवं श्री उमेश अग्रवाल सहित समिति के सदस्य उपस्थित थे। चयन समिति द्वारा छत्तीसगढ़ अंत्यावसायी सहकारी वित्त एवं विकास निगम की ऋण योजना के तहत जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति द्वारा वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए प्रदत लक्ष्य के विरूद्ध प्राप्त आवेदनों में से हितग्राहियों का चयन किया गया।

बैठक में चयन समिति द्वारा हितग्राही मंगल सिंह को ट्रेक्टर ट्राली योजना के तहत 10 लाख 63 हजार रूपए की कार्योत्तर स्वीकृति का अनुमोदन किया गया। मंगल सिंह को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने विश्व आदिवासी दिवस पर 9 अगस्त 2022 को आयोजित वर्चुअल कार्यक्रम में ट्रेक्टर ट्राली वितरित किए थे। इसके अलावा चयन समिति द्वारा गुड्स कैरियर योजना के तहत गुड्स कैरियर व्यवसाय के लिए सोहन सिंह को 7 लाख 23 हजार रूपए, टर्म लोन योजना (उद्योग क्षेत्र में) मिनी हल्दी मसाला उद्योग के लिए श्रीमती सरिता सिंह मार्को को 5 लाख रूपए, स्मॉल बिसनेस योजना (सेवा क्षेत्र में) ढ़ाबा एवं किराना व्यवसाय के लिए जयपाल सिंह सलाम को 3 लाख रूपए, महिला सशक्तिकरण योजना के तहत सिलाई सेंटर व्यवसाय के लिए श्रीमती कुसुम मरावी को 2 लाख रूपए, स्मॉल बिसनेस योजना के तहत टेंट हाउस के लिए प्रताप सिंह को 2 लाख रूपए का ऋण अनुमोदित किया गया।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

सरकार ग्रीन एनर्जी के क्षेत्र में सतत विकास के लिए प्रतिबद्ध

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि सरकार हरित ऊर्जा के क्षेत्र में सतत विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मोदी केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री महेंद्र नाथ पांडे के एक ट्वीट का जवाब दे रहे थे, जिसमें उन्होंने कहा था कि फेम-2 योजना के तहत इलेक्ट्रिक वाहनों के जरिए 22.9 करोड़ लीटर ईंधन की बचत होने के साथ-साथ 33.9 करोड़ किलोग्राम कार्बन डाई ऑक्साइड में भी कमी आई है। प्रधानमंत्री ने कहा, ''हमारी सरकार हरित ऊर्जा के क्षेत्र में सतत विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।'' प्रधानमंत्री मोदी आम बजट 2023-24 में की गई विभिन्न घोषणाओं पर विभिन्न पक्षों को वेबिनार के माध्यम से संबोधित करने वाले हैं। इसकी शुरुआत बृहस्पतिवार को हरित वृद्धि पर एक वेबिनार से हुई। हरित वृद्धि पर वेबिनार में छह सत्र होंगे, जिसमें हरित वृद्धि के ऊर्जा और गैर-ऊर्जा, दोनों घटकों को शामिल किया जाएगा। हरित विकास केंद्रीय बजट 2023-24 की सात शीर्ष प्राथमिकताओं में से एक है।

सीआर केसवन ने दिया कांग्रेस पार्टी से दिया इस्तीफा

नईदिल्ली। भारत के पहले भारतीय गवर्नर-जनरल सी राजगोपालाचारी के पोते सीआर केसवन ने दो दशक से अधिक समय तक पार्टी की सेवा करने के बाद गुरुवार को कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को लिखे एक पत्र में केसवन ने इस बात का भी जिक्र किया कि कैसे वह 2001 में विदेश में अपना करियर छोड़कर कांग्रेस में शामिल हो गए। उन्होंने पत्र में लिखा है, एक ऐसी विचारधारा से प्रेरित, जो सर्व समावेशी थी। मुझे यह कहते हुए वास्तव में दुख हो रहा है कि पिछले कुछ समय से मैंने उन मूल्यों का कोई अवशेष नहीं देखा है, जिन्होंने मुझे पार्टी के लिए समर्पण के साथ दो दशकों से अधिक समय तक काम करने के लिए प्रेरित किया। मैं अब अच्छे विवेक में यह नहीं कह सकता कि मैं वर्तमान में पार्टी के प्रतीक के साथ सहमत हूं। ये मेरे लिए एक नया रास्ता तय करने का समय है और इसलिए मैं तत्काल प्रभाव से कांग्रेस पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देता हूं।

विपक्ष को पता होना चाहिए किसे पीएम नहीं बनने देना है

पटना। अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए विपक्षी पार्टियां बीजेपी के खिलाफ एकजुट होने की कोशिशों में जुटी हैं। हालांकि अभी तक बात नहीं बन पा रही है। अब इसे लेकर टीएमसी सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि हम लंबे समय से ये बातें सुन रहे हैं कि कौन अगला नेता होगा। जब नेहरू प्रधानमंत्री थे, तब भी लोग ऐसे ही सवाल करते थे लेकिन ये सब बेबुनियाद बातें हैं। अहम बात ये है कि किसे प्रधानमंत्री बनने से रोकना है, इसे लेकर स्पष्टता होनी चाहिए। सिन्हा ने अपनी पार्टी टीएमसी की अध्यक्ष ममता बनर्जी की तारीफ की और उन्हें जांची परखी नेता बताया। सिन्हा ने कहा कि ममता बनर्जी अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव में गेम चेंजर साबित होंगी। बीजेपी और प्रधानमंत्री पर हमला करते हुए शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा कि ऐसा लग रहा है कि मेरे दोस्त प्रधानमंत्री मोदी के अच्छे दिन खत्म हो गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा वन मैन शो और टू मैन आर्मी हो गई है।

संजय राउत के खिलाफ मानहानि का केस दर्ज

मुंबई। ठाणे शहर की पुलिस ने बुधवार देर रात शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत के खिलाफ मानहानि के लिए एफआईआर दर्ज की। जिसमें दावा किया गया था कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बेटे श्रीकांत शिंदे से उनकी जान को खतरा था। एक अधिकारी ने कहा कि आईपीसी की धारा 153 (ए) (विभिन्न समूहों, धर्मों आदि के बीच वैमनस्य को बढ़ावा देना), 500 (मानहानि) और अन्य संबंधित धाराओं के तहत कपूरबावड़ी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया था। उन्होंने कहा कि प्राथमिकी पूर्व मेयर मीनाक्षी शिंदे की शिकायत पर आधारित है। राउत ने मुंबई पुलिस आयुक्त को लिखे पत्र में कहा था, लोकसभा सदस्य श्रीकांत शिंदे ने मुझे मारने की सुपारी ठाणे के एक अपराधी राजा ठाकुर को दी है। हालांकि, महाराष्ट्र के मंत्री शंभूराज देसाई ने दावा किया है कि संजय राउत का अपनी जान को खतरा होने का आरोप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बेटे श्रीकांत शिंदे को बदनाम करने के लिए लगाया गया है।

शराब घोटाले में केजरीवाल के पीए को ईडी ने किया तलब

नईदिल्ली। दिल्ली में एक्साइज घोटाले को लेकर चल रही जांच के सिलसिले में लगातार पूछताछ जारी है। प्रवर्तन निदेशालय लगातार इस मामले की जांच कर रही है। इन सब के बीच यह मामला अब दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल तक पहुंचता दिखाई दे रहा है। दरअसल, न्यूज़ एजेंसी ने दावा किया है कि प्रवर्तन निदेशालय ने एक्साइज घोटाले की चल रही जांच के सिलसिले में अरविंद केजरीवाल के पीए को पूछताछ के लिए तलब किया है। वहीं, सीबीआई ने मनीष सिसोदिया को आबकारी नीति घोटाला मामले में पूछताछ को लेकर 26 फरवरी को पेश होने के लिए एक नया नोटिस जारी किया है। सिसोदिया ने 19 फरवरी को अपनी पूर्व निर्धारित पूछताछ को टालने का आग्रह किया था। दिल्ली सरकार में वित्त विभाग की जिम्मेदारी संभाल रहे सिसोदिया ने बजट तैयारी कवायद का हवाला देते हुए पूछताछ टालने और फरवरी के अंतिम सप्ताह के दौरान की तारीख देने का आग्रह किया था।

कांग्रेस प्रवक्ता पर असम में दर्ज केस के मामले में कार्रवाई, कांग्रेसी कार्यकर्ता धरने पर बैठे

प्रधानमंत्री के खिलाफ विवादित बयान देकर फंसे पवन खेड़ा, दिल्ली एयरपोर्ट से गिरफ्तार

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के खिलाफ असम के दिमा हसाओ जिले के हाफलोंग पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है। मामला दर्ज होने के बाद असम पुलिस ने पवन खेड़ा को गिरफ्तार कर लिया है। असम पुलिस के आईजीपी प्रशांत कुमार भुयन ने यह जानकारी दी। इससे पहले पवन खेड़ा को दिल्ली एयरपोर्ट पर रोककर दिल्ली पुलिस ने हिरासत में लिया था। जिसके बाद असम पुलिस ने वहां पहुंचकर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। असम पुलिस के आईजीपी प्रशांत कुमार भुयन ने बताया कि हमने दिल्ली पुलिस से उन्हें हिरासत में लेने की विनती की थी। उन्होंने बताया कि स्थानीय कोर्ट की अनुमति मिलने के बाद पवन खेड़ा को असम लाया जाएगा।

बता दें कि हाफलोंग पुलिस थाने में पवन खेड़ा के खिलाफ प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में शिकायत दर्ज हुई थी। जिसके बाद पुलिस ने खेड़ा के खिलाफ आईपीसी की धारा 153 बी, 500, 504, के तहत मामला दर्ज किया गया था। पवन खेड़ा कांग्रेस के अधिवेशन में शामिल होने के लिए अन्य कांग्रेस नेताओं के साथ रायपुर जा रहे थे। दिल्ली पुलिस द्वारा पवन खेड़ा को हिरासत में लिए जाने के बाद अन्य कांग्रेस नेता उनके समर्थन में दिल्ली एयरपोर्ट पर ही धरने पर बैठ गए थे। इसके चलते दिल्ली एयरपोर्ट पर खूब हंगामा हुआ और पुलिस अधिकारियों और कांग्रेस नेताओं के बीच तीखी बहस हुई।

बता दें कि हाल ही में पवन खेड़ा ने अदाणी मामले में प्रधानमंत्री मोदी के पिता को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। दरअसल पवन खेड़ा प्रधानमंत्री का पूरा नाम बोलते हुए उनके पिता का गलत नाम बोल गए। गलती सुधारी भी, लेकिन बाद में फिर गलत नाम लेकर उन पर तंज कस दिया। जिसके बाद भाजपा नेताओं ने पवन खेड़ा के बयान की तीखी आलोचना की थी। इसके चलते पवन खेड़ा के खिलाफ वाराणसी और लखनऊ में शिकायत भी दर्ज हुई थी।

खेड़ा को सुप्रीम कोर्ट ने 28 तक अंतरिम जमानत पर रिहा करने का दिया निर्देश

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ कथित टिप्पणियों को लेकर अपने खिलाफ दर्ज कई प्राथमिकियों में राहत के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। कोर्ट ने उन्हें 28 फरवरी तक अंतरिम जमानत पर रिहा करने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही कोर्ट ने खेड़ा के खिलाफ कई प्राथमिकियों को एक साथ जोड़ने के लिए असम और उत्तर प्रदेश सरकारों से जवाब मांगा है और उनकी गिरफ्तारी से संरक्षण और कई प्राथमिकियों को एक साथ जोड़ने के अनुरोध संबंधी याचिका को 27 फरवरी को सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया है। कांग्रेस नेता ने शीर्ष अदालत को बताया कि प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ टिप्पणियों को लेकर उनके खिलाफ वाराणसी, लखनऊ और असम में कई प्राथमिकियां दर्ज की गई हैं। कोर्ट से कांग्रेस नेता ने कहा कि उन्हें रायपुर जाते समय विमान से उतार दिया गया और असम पुलिस उन्हें हिरासत में लेने के लिए हवाई अड्डे पर है। वहीं सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई पूरी होने के बाद बृहस्पतिवार अपराह्न तीन बजे कांग्रेस नेता की याचिका पर सुनवाई के लिए सहमत हुआ। उन्होंने कोर्ट से अपने खिलाफ दर्ज कई प्राथमिकियों को समेकित करने और गिरफ्तारी से सुरक्षा का आग्रह किया। सुनवाई के दौरान कांग्रेस नेता के वकील एएस सिंघवी ने कहा कि उनके मुवक्किल ने प्रधानमंत्री पर अपनी टिप्पणी के लिए माफी मांगी है और उन पर लगाए गए आरोपों में गिरफ्तारी की आवश्यकता नहीं है। वहीं असम पुलिस ने न्यायालय को बताया कि पवन खेड़ा को गिरफ्तार कर लिया गया है और चिकित्सकीय जांच के लिए ले जाया गया है।

नीतीश को छोड़ देना चाहिए राजपाट: गिरीराज सिंह

पटना। बिहार में राजद की ओर से तेजस्वी यादव की ताजपोशी की मांग तेज कर दी गई है। इतना ही नहीं, राजद के कुछ नेताओं ने तो साफ तौर पर कह दिया है कि तेजस्वी यादव होली के बाद मुख्यमंत्री बन जाएंगे। उनकी ताजपोशी खुद नीतीश कुमार करेंगे। यही कारण है कि अब भाजपा भी नीतीश कुमार पर जबरदस्त तरीके से तंज कस रही है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने नीतीश कुमार पर हमला बोलते हुए साफ तौर पर कहा कि उनकी दुर्गति होनी तय है। इसलिए उन्हें राजपाट छोड़ देना चाहिए। न्यूज़ एजेंसी एएनआई के मुताबिक गिरिराज सिंह ने कहा कि आज छुष्ठ में जो चल रहा है कि 2025 के बाद विधायक तय करेगा और अब लालू जी भी स्वस्थ हो गए हैं तो नीतीश जी की आत्मा अब कह रही होगी कि बजट के साथ ही उन्हें तीर्थ यात्रा पर निकल जाना चाहिए था।

भाजपा नेता ने साफ तौर पर कहा कि नीतीश कुमार को जल्दी ही राजपाट छोड़ देना चाहिए। उन्होंने कहा कि उन्हें राजपाट इसलिए छोड़ देना चाहिए क्योंकि उनकी दुर्गति होना तय है। इनकी राजनीतिक विश्वसनीयता नहीं बची है। वहीं, राज्य के पूर्व उप-मुख्य मंत्री एवं सांसद सुशील कुमार मोदी ने कहा था कि नीतीश कुमार फिर एक बार राजद को धोखा देने की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि पहले स्वयं तेजस्वी को अपना उत्तराधिकारी घोषित कर दिया और अब पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह से बयान दिलवा रहे हैं कि ऐसा कोई फैसला नहीं हुआ है। 2025 में निर्णय होगा। वहीं केसी त्यागी कह रहे हैं कि 2030 में भी नीतीश कुमार ही मुख्य मंत्री रहेंगे। राजद के विधायक एक स्वर से होली बाद तेजस्वी की ताजपोशी की घोषणा कर रहे हैं।

मोदी ने कहा कि इन विरोधाभासी बयानों से राज्य में नौकरशाही पेशोपेश में पड़ गई है। विकास कार्य ठप्प हो गए हैं। राजनैतिक अस्थिरता का खतरा पैदा हो गया। सत्ता परिवर्तन की आहट से जनता संशकित है। नीतीश कुमार को हस्तक्षेप कर सारी स्थिति को स्पष्ट कर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता को यह जानने का अधिकार है कि किसका बयान सच है। यदि कोई समझौता हुआ है तो जल्द से जल्द तेजस्वी की ताजपोशी कर देनी चाहिए अन्यथा घोषणा कर देना चाहिए कि 2025 में नीतीश कुमार महागठबन्धन के मुख्य मंत्री के दावेदार होंगे। ऐसी स्थिति में लालू प्रसाद को अपनी चुप्पी तोड़नी चाहिए। 2024 में नरेन्द्र मोदी का प्रधानमंत्री और 2025 में भाजपा का मुख्य मंत्री बनना तय है।

कांग्रेस और जेडीएस परिवारवादी पार्टियां: शाह

कर्नाटक में बोले केंद्रीय गृहमंत्री- ये दोनों पार्टी नहीं कर सकते राज्य का विकास

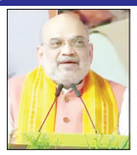

बेंगलुरु। आगामी कर्नाटक विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा ने अपनी ताकत लगानी शुरू कर दी है। भाजपा के दिग्गज नेता लगातार कर्नाटक दौरे पर जा रहे हैं। इसी कड़ी में गुरुवार को भाजपा के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह कर्नाटक के बेल्लारी पहुंचे थे। बेल्लारी में उन्होंने विजय संकल्प समावेश को संबोधित किया। अपने संबोधन के दौरान अमित शाह ने कांग्रेस और जेडीएस पर जबरदस्त तरीके से निशाना साधा। अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस और जेडीएस वंशवादी पार्टियां हैं और ऐसी पार्टियां लोगों के कल्याण के लिए काम नहीं कर सकतीं। उन्होंने कहा कि जेडीएस को दिया गया आपका एक-एक वोट कांग्रेस पार्टी को जाने वाला है और कांग्रेस को दिया गया एक एक वोट सिद्धारमैया और दिल्ली का एटीएम बनी उनकी सरकार को जाने वाला है।

हुंकार भरते हुए शाह ने कहा कि मोदी सरकार ने पीएफआई पर प्रतिबंध लगा दिया। हालांकि, जब कांग्रेस का शासन था, तो पीएफआई के खिलाफ 1,700 मामले वापस ले लिए गए थे। कांग्रेस पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि सीएम पद के लिए डीके शिवकुमार और सिद्धारमैया... दोनों लड़ रहे हैं। इनकी लड़ाई से कर्नाटक का कल्याण नहीं होगा। कर्नाटक का कल्याण करना है तो भाजपा की सरकार ही प्रदेश में बनानी होगी तभी राज्य का विकास होगा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने अनुच्छेद 370 को निरस्त करने पर दावा किया कि इससे रक्तपात हो सकता है। हालांकि किसी ने पत्थर मारने की हिम्मत नहीं की।

इससे पहले भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने मंगलवार को कांग्रेस पर हमला करते हुए उस पर ''तुष्टिकरण और विभाजन'' की राजनीति करने का आरोप लगाया था और कर्नाटक के विकास के लिए राज्य की जनता से फिर से ''डबल इंजन'' सरकार चुनने की अपील की। नड्डा ने आरोप लगाया कि तुष्टिकरण की राजनीति के तहत उन्होंने पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) और कर्नाटक फोरम फॉर डिग्निटी (केएफडी) के कार्यकर्ताओं के खिलाफ मामले वापस लिए थे।

खेल
प्रमुख समाचार

भारत के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम घोषित

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया ने भारत के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए अपने 16 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। वनडे सीरीज की शुरुआत अगले महीने होनी है। इस के तहत दोनों टीमों के बीच तीन वनडे मैच खेले जाएंगे। बहरहाल, ऑस्ट्रेलिया की ओर से वनडे सीरीज के लिए घोषित टीम में ग्लेन मैक्सवेल, मिचेल मार्श और झे रिचर्डसन की वापसी हुई है। तीनों चोट के कारण टीम से बाहर चल रहे थे। वही पैट कमिंस वनडे सीरीज में टीम की कप्तानी करेंगे।

दिल्ली में दूसरे टेस्ट में अपनी कोहनी में फ्रैक्चर के बाद ऑस्ट्रेलिया लौट आए डेविड वॉर्नर को वनडे टीम में शामिल किया गया है। माना जा रहा है कि वह जल्द चोट से उबर जाएंगे। वहीं, ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड को अभी चोट से उबरने में और समय लगेगा। चोट से उबरने में नाकाम रहने के बाद वह भारत से लौट आए थे। हेजलवुड को जनवरी में सिडनी में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच में चोट लगी थी।

ग्लेन मैक्सवेल पैर की चोट से उबरने के बाद भारत का सामना करने के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम में वापस आ गए हैं। मैक्सवेल को पिछले नवंबर में एक दोस्त के जन्मदिन की पार्टी में एक दुर्घटना में चोट लगी थी। ऐसे में वह कई दिनों तक क्रिकेट के मैदान से दूर रहे थे। उन्होंने पिछले सप्ताह विक्टोरियन प्रीमियर क्रिकेट कॉम्पटिशन और शेफील्ड शील्ड में मैच खेले और फिटनेस हासिल कर चुके हैं।

वनडे सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम

पैट कमिंस (कप्तान), सीन एबॉट, एश्टन एगर, एलेक्स केरी, कैमरन ग्रीन, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस, मारनस लाबुशगन, मिशेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, झे रिचर्डसन, स्टीव स्मिथ, मिशेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस, डेविड वार्नर, एडम जैम्पा।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 139 अंक टूटा निफ्टी 17, 600 के नीचे

नईदिल्ली। नकारात्मक वैश्विक संकेतों के बीच लगातार पांचवे दिन गुरुवार को घरेलू बाजार में गिरावट दर्ज की गई। सेंसेक्स 139 अंक टूट गया, वहीं निफ्टी 43 अंक फिसलकर 17,600 के नीचे आ गया। तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 139.18 अंक यानी 0.23 फीसदी की गिरावट के साथ 59,605.80 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स ऊंचे में 59,960.04 तक गया और नीचे में 59,406.31 तक आया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 43.05 अंक यानी 0.25 फीसदी की गिरावट के साथ 17,511.25 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी ऊंचे में 17,620.05 तक गया और नीचे में 17,455.40 तक आया। सेंसेक्स के शेयरों में ऐक्सिस बैंक, आईटीसी, टाटा मोटर्स, एसबीआई, टाटा स्टील सन फार्मा, मारुति, टीसीएस लाभ में रहे।

अदाणी को श्रीलंका में मिला बड़ा प्रोजेक्ट

नईदिल्ली। अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड कंपनी श्रीलंका में हरित ऊर्जा क्षेत्र में बड़ा कॉन्ट्रैक्ट हासिल करने में सफल हुई है। श्रीलंका के बोर्ड ऑफ इन्वेस्टमेंट ने कंपनी को मन्नार और पूनेरिन में दो वायु ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने को लेकर स्वीकृति दे दी है। 442 मिलियन डॉलर के इस प्रोजेक्ट को कंपनी को अगले दो साल में पूरा करना है। प्रोजेक्ट से 500 मेगावाट बिजली का निर्माण होगा, जिसे 2025 तक श्रीलंका के नेशनल ग्रिड से जोड़ा जाना है। दावा किया गया है कि इस कॉन्ट्रैक्ट के बाद श्रीलंका में लगभग दो हजार रोजगार के अवसरों का भी सृजन होगा। इस बड़े कॉन्ट्रैक्ट को हासिल करने से कंपनी को अपने निवेशकों का भरोसा हासिल करने में कितनी मदद मिलेगी, यह देखने वाली बात होगी।

एल्युमीनियम वायदा कीमतों में कमजोर मांग के कारण गिरावट

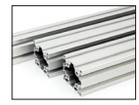

नयी दिल्ली। हाजिर बाजार में कमजोरी के रुख के कारण कारोबारियों ने अपने सौदों की कटान की जिससे वायदा कारोबार में बृहस्पतिवार को एल्युमीनियम की कीमत 1.05 रुपये की गिरावट के साथ 206.65 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में फरवरी माह की डिलिवरी के लिए एल्युमीनियम के अनुबंध का भाव 1.05 रुपये यानी 0.51 प्रतिशत की गिरावट के साथ 206.65 रुपये प्रति किलोग्राम रह गया। इसमें 316 लॉट के लिए कारोबार हुआ। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि हाजिर बाजार में उपभोक्ता उद्योगों की कमजोर मांग के बीच कारोबारियों द्वारा अपने सौदों की कटान करने से वायदा बाजार में एल्युमीनियम कीमतों में गिरावट आई है।

आरबीआई ब्याज दरों में और कर सकती है बढ़ोतरी

नई दिल्ली। महंगे कर्ज के बोझ से अभी राहत नहीं मिलने वाली है। फरवरी के पहले हफ्ते में आरबीआई ने रेपो रेट में 0.25 फीसदी बढ़ोतरी कर कर्ज को पहले से महंगा कर दिया। अब एक बार फिर से महंगाई की मार पड़ने वाली है। आरबीआई एक बार फिर से आपको ब्याज दरों में बढ़ोतरी कर झटका दे सकती है। यानी आने वाले महीनों में एक बार फिर से ब्याज दरों में बढ़ोतरी की गुंजाइश है। आसान भाषा में कहे कि एक बार फिर से आप पर कर्ज का बोझ बढ़ने वाला है। एक बार फिर से आपके होम लोन, कार लोन की ईएमआई बढ़ने वाली है। आरबीआई लगातार ब्याज दरों में बढ़ोतरी कर रहा है। महंगाई पर लगाम लगाने के लिए रेपो रेट में बढ़ोतरी की जा सकती है। माना जा रहा है कि आने वाले महीनों में फिर से रेपो रेट में बढ़ोतरी की जा सकती है। रेपो रेट में फिर से 25 बीपीएस की बढ़ोतरी की संभावना बन रही है।

प्रति व्यक्ति आय बढ़ाने के लिए भारत को अभी बहुत कुछ करने की जरूरत

प्रह्लाद सबनानी

पूरे विश्व में सभी देशों का सकल घरेलू उत्पाद कुल मिलाकर लगभग 100 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है। इसमें भारत का हिस्सा मात्र 3.50 प्रतिशत है, अर्थात् भारत का सकल घरेलू उत्पाद लगभग 3.50 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है। जबकि, पूरे विश्व के 17.5 प्रतिशत से अधिक लोग भारत में निवास करते हैं। जनसंख्या की दृष्टि से तुलना की जाये तो भारत का सकल घरेलू उत्पाद बहुत कम है, जिसे केंद्र सरकार एवं कई राज्य सरकारें मिलकर अब इसे बहुत आगे ले जाने के कार्य में पूरे मनोयोग से कार्य करती दिखाई दे रही हैं। हालांकि, पूरे विश्व में सकल घरेलू उत्पाद के मामले में भारत पांचवें स्थान पर आ गया है एवं अब भारत से आगे केवल अमेरिका, चीन, जापान एवं जर्मनी जैसे देश हैं। परंतु, अधिक जनसंख्या होने के कारण भारत में प्रति व्यक्ति आय अन्य कई देशों की तुलना में बहुत कम है। प्रत्येक भारतीय की औसत आय 2,200 अमेरिकी डॉलर प्रति वर्ष है जबकि अमेरिका में प्रति व्यक्ति औसत आय 70,000 अमेरिकी डॉलर प्रति वर्ष है और चीन की जनसंख्या भारत से भी अधिक होने के बावजूद प्रत्येक चीनी नागरिक की औसत आय 12,000 अमेरिकी डॉलर प्रति वर्ष है। इस प्रकार प्रत्येक भारतीय की औसत आय बढ़ाने के प्रयास किए जाना अब बहुत जरूरी है, जिसमें भारत की युवा शक्ति को अपना योगदान देना अब आवश्यक हो गया है।

आज किसी भी देश के लिए जनसंख्या का अधिक होना और उसमें भी युवा जनसंख्या की भागीदारी ज्यादा होना, उस देश विशेष के लिए बहुत लाभकारी स्थिति बन जाती है। वह भी तब, जब विशेष रूप से कई विकसित देशों यथा- जापान, जर्मनी, अमेरिका, ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया, चीन, कनाडा आदि में जन्म दर बहुत कम हो चुकी हो एवं

इन देशों में प्रौढ़ नागरिकों की जनसंख्या तेजी से बढ़ती जा रही हो एवं युवा जनसंख्या का अभाव महसूस किया जा रहा हो। इस प्रकार भारत युवा जनसंख्या की दृष्टि से बहुत ही लाभप्रद स्थिति में आ गया है। भारत की कुल 140 करोड़ जनसंख्या में से 50 प्रतिशत जनसंख्या की आयु 25 वर्ष से कम है और 65 प्रतिशत जनसंख्या की आयु 35 वर्ष से कम है। सबसे अधिक युवा, अर्थात 18-35 वर्ष के आयु वर्ग में 60 करोड़ भारतीय नागरिक आते हैं। प्रत्येक भारतीय की औसत आयु मात्र 29 वर्ष है जबकि चीन के नागरिकों की औसत आयु 37 वर्ष एवं जापान के नागरिकों की औसत आयु 48 वर्ष है। इसीलिए भारत को एक युवा देश कहा जा रहा है और पूरे विश्व की निगाहें आज भारत पर टिकी हुई हैं। अब तो यह स्थिति दिखाई देने लगी है कि यदि भारत आर्थिक प्रगति करेगा तो पूरा विश्व ही आर्थिक प्रगति करता हुआ दिखाई देगा, क्योंकि आगे आने वाले समय में भारत में विभिन्न उत्पादों का उपभोग तेजी से बढ़ता हुआ नजर आएगा। आज भारत में साक्षरता दर 80 प्रतिशत के आसपास पहुंच गई है, जोकि एक बहुत अच्छी दर कही जा सकती है। भारत में प्रति व्यक्ति आय को अमृत काल के दौरान वर्ष 2047 तक लगभग तिगुना करने की योजना बनाई गई है। प्रति व्यक्ति औसत आय को 445,000 रुपए प्रति वर्ष तक ले जाना है। इसके लिए गांव एवं शहर में निवास कर रहे नागरिकों के बीच औसत आय के अंतर को समाप्त करने की भी योजना बनाई जा रही है। भारत में श्रम बहुत सस्ता है, अत: सस्ते एवं कुशल श्रम को अपनी ताकत बनाकर भारत विनिर्माण के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक ताकत बनने का प्रयास कर रहा है। साथ ही, भारतीय कुशल श्रम को विभिन्न देशों को भी उपलब्ध कराये जाने के प्रयास किए जा रहे हैं। भारत में भारतीय सनातन संस्कृति का पालन करते हुए छोटे छोटे बच्चों में बचपन में ही सेवा भावना का विकास किया जाता है एवं वसुधैव कुटुम्बकम का भाव जगाया जाता है। विशेष रूप से भारतीय महिलाओं में पाए जाने वाले इस सेवा भाव के कारण आज खाड़ी के कई देशों एवं जापान आदि जैसे देशों में भारतीय नर्सों की वहां अस्पतालों में बहुत अधिक मांग है। केंद्र सरकार एवं कई राज्य सरकारों ने इस संदर्भ में कई विशेष योजनाएं प्रारम्भ की हैं, आज आवश्यकता इस बात की है कि देश के युवाओं को आगे आकर इन योजनाओं का लाभ उठाकर अपने कौशल को विकसित कर देश के विकास में अपने योगदान को बढ़ाना चाहिए ताकि भारत को विकसित राष्ट्र की श्रेणी में लाया जा सके।

शरद पवार का सुझाव मान उद्धव आगे बढ़े

अवधेश कुमार

चुनाव आयोग द्वारा एकनाथ शिंदे समूह को असली शिवसेना घोषित कर चुनाव चिह्न तीर-धनुष प्रदान करना उद्धव ठाकरे और उनके समर्थकों के लिए असाधारण आघात है। जिस तरह मुख्यमंत्री रहते हुए ठाकरे को इसकी कल्पना तक नहीं थी कि पार्टी का बहुमत उनसे अलग हो सकता है, उसी तरह चुनाव चिह्न एवं पार्टी का नाम तक छिन जाने की भी आशंका नहीं थी। ऐसे में, चुनाव आयोग के फैसले के विरुद्ध सुप्रीम कोर्ट में जाने की उनकी घोषणा में कुछ भी अस्वाभाविक नहीं है। उद्धव ठाकरे और उनके सलाहकारों को लगता है कि आयोग ने जान-बूझकर जल्दबाजी में फैसला लिया। जबकि आयोग ने फैसले तक पहुंचने में पर्याप्त समय लिया है। जून में एकनाथ शिंदे ठाकरे से अलग हुए और 30 जून को उन्होंने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। आयोग ने 78 पृष्ठों के आदेश में इसका आधार भी स्पष्ट किया है। ऐसे मामलों में पहला आधार यही होता है कि विधानसभा और लोकसभा में पार्टी के कितने विधायक और सांसद किस गुट में हैं। आयोग ने भी कहा है कि विधानसभा व लोकसभा के साथ ही संगठन में बहुमत के आधार पर पार्टी पर अधिकार का फैसला होता है। चुनाव आयोग पार्टी पदाधिकारियों के आधार पर फैसला नहीं करता, क्योंकि उनका चयन होता है, वे चुनाव के जरिये निर्वाचित नहीं होते। इसलिए इसके आधार पर यह निर्णय नहीं हो सकता कि कितने पार्टी पदाधिकारी शिंदे के और कितने उद्धव के साथ रहे। शिवसेना के कुल 55 विधायकों में से 40 विधायक और 19 सांसदों में से करीब 13 सांसद शिंदे के साथ हैं। उद्धव के साथ केवल 15 विधायक और तीन सांसद ही बचे हैं। आयोग ने दोनों पक्षों के विधायकों और सांसदों को मिले मत की भी गणना की है, जिसके मुताबिक, वर्ष 2019 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में शिवसेना के 55 विजयी उम्मीदवारों में से एकनाथ शिंदे का समर्थन करने वाले विधायकों के पक्ष में लगभग 76 प्रतिशत मत पड़े थे, जबकि 23.5 प्रतिशत मत उद्धव ठाकरे धड़े के विधायकों को मिले थे। इस अंकगणित के रहते चुनाव आयोग इसके विपरीत फैसला किस आधार पर दे सकता था? आयोग ने एक और बात यह कही है कि बहुमत के अलावा फैसले में पार्टी के राजनीतिक संगठन की संरचना पर भी विचार किया जाता है। उसके अनुसार विचारधारा से परे जाकर एक गुट ने गठबंधन किया और यही पार्टी में टूट का आधार बना। इस पर बहस हो सकती है कि चुनाव आयोग विचारधारा पर फैसला कर सकता है या नहीं। पर यह सच्चाई है कि शिवसेना ने विधानसभा चुनाव भाजपा के साथ मिलकर लड़ा था और दोनों को जनता ने बहुमत भी दिया था। पर उद्धव ने भाजपा का साथ छोड़ राकांपा और कांग्रेस के साथ मिलकर सरकार बनाई। सत्ता के लिए स्वाभाविक गठजोड़ से अलग होकर उद्धव विरोधी विचारधारा के साथ अस्वाभाविक गठजोड़ की ओर पार्टी को ले गए, जिसे शिंदे ने फिर स्वाभाविक गठजोड़ की स्थिति में ला दिया। ठाकरे के लिए दूसरा झटका शीर्ष अदालत की ओर से आया है। अरुणाचल प्रदेश के नबम रेबिया मामले को अदालत ने पुनर्विचार के लिए सात सदस्यीय पीठ को भेजने से इनकार कर दिया। उद्धव गुट की ओर से पेश वकीलों ने नबम रेबिया मामले को बड़ी पीठ को भेजने की मांग की थी। अब भी समय है कि उद्धव और उनके सलाहकार यथार्थ को समझें तथा उसके अनुरूप राजनीतिक व्यवहार करें। शरद पवार का सुझाव सर्वथा उचित है कि इसे भूलकर ठाकरे नए सिरे से पार्टी की पुनर्रचना करते हुए आगे बढ़ें।

गुटबाजी खत्म हो, तभी सुधरेगी कांग्रेस

राज कुमार सिंह

आठ दशक के लंबे अंतराल के बाद कांग्रेस को अपने पूर्ण अधिवेशन के लिए मध्य भारत की याद आई है। छत्तीसगढ़ के नया रायपुर में 24 से 26 फरवरी तक यह अधिवेशन ऐसे समय हो रहा है, जब देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस अपने इतिहास के सबसे बुरे दौर से गुजर रही है। लगातार दो लोकसभा चुनाव हारने के बाद उसे अगले साल फिर लोकसभा चुनाव का सामना करना है। बेशक उससे पहले इसी साल नौ राज्यों के विधानसभा चुनाव होने हैं, जिनमें कांग्रेस शासित छत्तीसगढ़ भी शामिल है। मध्य भारत में इससे पहले 1939 में कांग्रेस का पूर्ण अधिवेशन हुआ था। जबलपुर के निकट त्रिपुरी में हुए उस अधिवेशन में नेताजी सुभाष चंद्र बोस कांग्रेस अध्यक्ष थे।

अभूतपूर्व संकटकाल में पूर्ण अधिवेशन के लिए मध्य भारत को चुनने के निश्चय ही कुछ कारण हैं। जब कमोबेश पूरे उत्तर भारत में कांग्रेस हाशिये पर खिसक चुकी है, मध्य भारत ने कम-से-कम विधानसभा चुनावों में तो उसका हाथ थामे रखा है। वर्ष 2018 में हुए विधानसभा चुनावों में राजस्थान के अलावा जिन राज्यों के मतदाताओं ने कांग्रेस को बीजेपी पर वरीयता दी, उनमें मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ शामिल थे। बेशक, 2020 में ज्योतिरादित्य सिंधिया के दलबदल से मध्य प्रदेश में मामूली बहुमत वाली कांग्रेस सरकार धराशायी हो गई, पर छत्तीसगढ़ में पूर्ण बहुमत के साथ वह आज भी टिकी हुई है। हिंदीभाषी क्षेत्रों में लगभग अजेय बन चुकी बीजेपी को अगर कांग्रेस कहीं टक्कर दे सकती है, तो वे राज्य छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, राजस्थान और हरियाणा ही हैं। अपनी सरकार हो तो ऐसे आयोजन आसान हो जाते हैं। छत्तीसगढ़ को चुनने की एक और वजह यह है कि राजस्थान के उदयपुर में पिछले साल पार्टी का चिंतन शिविर हो चुका है।

उदयपुर के संदेश

उदयपुर चिंतन शिविर से जो निकला, वह सबके सामने है। लंबे अंतराल के बाद मल्लिकार्जुन खरगे के रूप में कांग्रेस को नेहरू परिवार से बाहर का निर्वाचित अध्यक्ष मिल चुका है। पार्ट टाइम नेता बताए जाने वाले राहुल गांधी कन्याकुमारी से कश्मीर तक साढ़े तीन हजार किलोमीटर से भी लंबी भारत जोड़ो यात्रा कर चुके हैं। इन सबसे राहुल की छवि सुधरने या हताश कांग्रेस में उम्मीद की किरण दिखने से इनकार नहीं किया जा सकता। फिर भी कांग्रेस के सामने चुनौतियों का पहाड़ है। बदलते हालात में खुद की प्रासंगिकता साबित करने वाली नई राजनीतिक दृष्टि और राह कांग्रेस को खोजनी होगी। सवाल यह है कि क्या नया रायपुर में वह ऐसा कर पाएगी?

यह बात सही है कि कांग्रेस में गुटबाजी हमेशा रही है, लेकिन तब आलाकमान इतना शक्तिशाली होता था कि अपनी सुविधा के अनुसार सभी पक्षों में संतुलन बनाए रखता था। अब चुनाव-दर-चुनाव पराजय से आलाकमान की चुनाव जिताऊ क्षमता पर ही सवालिया निशान लगने शुरू हो गए हैं, तो क्षत्रप उसे आंखें दिखाने से नहीं चूकते। पिछले साल के दो प्रकरण याद करिए।

कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव में राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की उम्मीदवारी तय थी, लेकिन वह सचिन पायलट के बजाय अपने विश्वस्त को राज्य की कुर्सी देने पर अड़ गए। शायद पहली बार ऐसा हुआ कि पर्यवेक्षकों द्वारा बुलाई गई विधायक दल की बैठक के समानांतर बैठक ही नहीं हुई, बल्कि सामूहिक इस्तीफे का दांव भी खेला गया। इसके बावजूद आलाकमान गहलोत के बजाय मल्लिकार्जुन खरगे को अध्यक्ष पद का उम्मीदवार बनाने से ज्यादा कुछ आज तक नहीं कर सका। दूसरा प्रकरण हरियाणा का है। मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस के पास अपना राज्यसभा उम्मीदवार जिताने लायक विधायक-मत थे, लेकिन फिर भी जीत गया सत्तारूढ़ बीजेपी-जेजेपी गठबंधन समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार।

जगह-जगह टकराव

राहुल की भारत जोड़ो यात्रा में तमाम गुटों के नेताओं ने साथ-साथ फोटो तो खिंचवाई, लेकिन उनके रिश्तों में खिंचाव आज भी बरकरार है। यह समस्या राजस्थान और हरियाणा तक ही सीमित नहीं है। महाराष्ट्र में कांग्रेस के दो दिग्गजों- नाना पटोले और बाला साहेब थोराट- में टकराव चरम पर है। दोनों एक-दूसरे के साथ काम करने को तैयार नहीं हैं। इसी साल खरगे के गृह राज्य कर्नाटक में भी विधानसभा चुनाव होने हैं। कांग्रेस को वहां सत्ता में लौटने की उम्मीद है, लेकिन इस राज्य में भी पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार के बीच छत्तीस का आंकड़ा है। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और स्वास्थ्य मंत्री टीके सिंहदेव के बीच महत्वाकांक्षाओं का टकराव भी किसी से छिपा नहीं है। तेलंगाना में भी इसी साल चुनाव होने हैं, जहां वफादार और प्रवासी कांग्रेसियों में वाकयुद्ध चल रहा है। राज्य-दर-राज्य गुटबाजी पर अंकुश लगाना कांग्रेस के पुनरुत्थान की पहली शर्त है। यह अप्रत्याशित नहीं है कि रायपुर अधिवेशन में अपना चुनावी अजेंडा तय करते हुए अंतिम दिन 26 फरवरी को होने वाली जनसभा में कांग्रेस न सिर्फ छत्तीसगढ़ विधानसभा, बल्कि अगले लोकसभा चुनाव का बिगुल भी फूंक देगी।

कथनी और करनी

पूर्ण अधिवेशन में पारित किए जाने वाले राजनीतिक, आर्थिक, अंतरराष्ट्रीय मामले, किसान एवं कृषि, सामाजिक न्याय एवं सशक्तीकरण तथा युवा एवं रोजगार विषयक सभी छह प्रस्तावों के जरिए स्वाभाविक ही बीजेपी और उसकी केंद्र सरकार को कटघरे में खड़ा करने की कोशिश की जाएगी, लेकिन कांग्रेस की कथनी को उसकी अतीत की करनी की कसौटी पर भी कसा ही जाएगा। बेशक फैसले की वह घड़ी मतदान के वक्त आएगी, लेकिन अपनी बात आक्रामक और विश्वसनीय ढंग से मतदाताओं तक पहुंचाने के लिए नेताओं में परस्पर समन्वय और संगठन में अनुशासित ऊर्जा की जरूरत होगी। इस कसौटी पर कांग्रेस का अतीत का प्रदर्शन बहुत ज्यादा उम्मीद नहीं जगाता। कहने की जरूरत नहीं कि अस्तित्व बचाने के लिए भी कांग्रेस को इन कमजोरियों से उबरना होगा।

प्रसंग — सौलवन्त सबसे बड़ा

अभय राजकुमार की गोद में उस समय एक करते हुए कुदेव ने पूछा, राजकुमार, यदि दाई काठ का टुकड़ा डाल लें, तब तुम क्या करोगे ? मैं उसे निकालने का प्रयास करूंगा। यदि वह आसानी से न निकल सकता तो बायें हाथ से उसका सिर पकड़कर निकालूंगा यदि खून निकलने लगे तो ? तो भी मेरा यही प्रयास रहेगा।

एक बार महर्षि बोधायन शिष्यों के अनुरोध पर आश्रम से दर, नदी के त गुरु-शिष्य मछलियों की तरह घण्टों तक जलविहार करते रहे। बाद में भोज अपने-अपने उत्तरीय फैलाकर वे लेट गए। शीघ्र ही निद्रादेवी ने सबको सम्मोह पहुँचा दिया। प्रात: तड़के जब महर्षि की निद्रा भंग हुई तो वे उठे और उन्होंने समय वृक्ष के पास सोये अपने प्रिय शिष्य गार्ग्य को जगाना चाहा। वे जब उसके पास उन्होंने देखा कि गार्ग्य जाग रहा है और उसके पैरों से लिपटकर एक महासर्प है। गार्ग्य ने धीरे से कहा, गुरुजी ! आप चिन्ता न करें। जब सर्प की नींद पूरी होली तो वह स्वयं चला जाएगा; उसकी निद्रा भंग न करें। हुआ भी ऐसा ही। घष्ट सर्प जागा और गार्ग्य के पैरों से अलग हो चुपचाप अपने बिल में प्रविष्ट हो गया। यह देख महर्षि बड़े प्रसन्न हुए और गार्ग्य को अंक में भरकर उन्हें आशीर्वाद दिया वत्स, तुम्हारी यह शील-सम्पदा अक्षय रहे। एक शिष्य मैत्रायण ने जब यह सुन के चकित हो वह बोला, भगवन-! गार्ग्य ने अदम्य साहस का परिचय दिया है, शील का नहीं।महर्षि मुस्कराकर बोले, वत्स, जल का ही तो घनीभूत रूप हिम है। इसी सह शील का वह घनीभूत रूप, जो विकट विषमताओं और विपरीतताओं के बीच भी अपने स्वरूप को अक्षुण्य बनाए रखता है, साहस है। इसलिए महिमा उसके शील की हो है

आज की महत्वपूर्ण घटनाएं

1945 मिस्र और सीरिया ने नाजी जर्मनी के खिलाफ युद्ध की घोषणा की।
1946 कर्नल जुआन पेरोन, राजनीतिककरण के संस्थापक जिन्हें पेरोनिज्म के रूप में जाना जाता है, अर्जेंटीना के अपने पहले कार्यकाल के लिए चुने गए थे।
1946 राजनैतिक आंदोलन के संस्थापक कर्नल जुआन पेरोन को अर्जेंटीना के राष्ट्रपति के रूप में उनके पहले कार्यकाल के लिए चुना गया था।
1948 फिल्म से लेकर राजनीति तक का सफर तय करने वाली जयललिता का जन्म हुआ।
1969 मरिनर 6 मार्स जांच संयुक्त राज्य अमेरिका से शुरू की गई।
1974 पाकिस्तान ने आधिकारिक तौर बंगलादेश को मान्यता प्रदान की।
1989 यूनाइटेड एयरलाइंस फ्लाइट 811 ने होनोलुलु अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे को छोड़ने के बाद एक अनियंत्रित नियंत्रण का अनुभव किया, नौ यात्रियों को मार डाला, जब उनकी सीटों को विमान से चूसा गया।
2003 चीन के जिजियांग प्रान्त में भीषण भूकम्प से 257 मरे।
2004 रूस के राष्ट्रपति ब्लादीमीर पुतिन ने प्रधानमंत्री मिखाइल कास्यानोव को पद से हटाया।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

ब्रह्मोपनिषद् (भाग-2)

गतांक से आगे...

एक ही परमात्मा समस्त भूत-प्राणियों में विद्यमान (छिपा हुआ) है, (वह) सर्वव्यापी है। समस्त भूतों स्वरूप, पवित्र एवं निर्गुण (त्रिगुणातीत) है। का अन्तरात्मा है, सभी के कर्मों को नियन्त्रित रखने वाला है, सभी भूतों का अधिवास है, साक्षीरूप, चैतन्य वह (परमात्मा) एक होते हुए भी सभी को वश में रखने वाला है, सभी प्राणियों का अन्तरात्मा है तथा अपने एक ही रूप को विभिन्न रूपों में प्रकट करता है। इस परम तत्त्व को जो बुद्धिमान् व्यक्ति अपने में प्रतिष्ठित देखते हैं, उन्हें शाश्वत शान्ति की प्राप्ति होती है, दूसरों को इसकी प्राप्ति नहीं हो सकती।

आत्मा को नीचे की अरणि और प्रणव को ऊर्ध्व की अरणि बनाकर ध्यान रूपी मंथन के अभ्यास द्वारा इस अप्रकट आत्मा का साक्षात्कार मनुष्य को करना चाहिए।

जिस प्रकार तिल में तैल, दही में घृत, स्रोत के प्रवाह में जल, काष्ठ में अग्नि अप्रत्यक्ष रूप से विद्यमान रहती है, उसी प्रकार से आत्मा भी हमारे अन्त:करण में विद्यमान है। वह आत्मा सत्य एवं तप के द्वारा देखा जा सकता है।

जिस प्रकार ऊर्णनाभि (मकड़ी) तन्तु (सूत्र) का सृजन एवं संहार अर्थात् सूत्र का निर्माण करती और पुन: खींच (निगल) लेती है, उसी प्रकार जीवात्मा भी जाग्रत् एवं स्वप्नावस्था में पुन: पुन: गमनागमन करता रहता है। जाग्रत अवस्था का वैश्वानर नाम से युक्त आत्मा चक्षु में प्रतिष्ठित रहता है, स्वप्नावस्था का तैजस नामक आत्मा कण्ठ में निवास करता है, सुषुप्तावस्था का प्राज्ञ नामक आत्मा हृदय में स्थित रहता है और तुरीय अर्थात् तीनों अवस्थाओं से परे इस तुर्या नामक चौथी अवस्था का आत्मा ब्रह्मरन्ध्र में निवास करता है, इस प्रकार से बुद्धिमान् मनुष्य को जानना चाहिए।

जहाँ मनुष्य की वाक्शक्ति एवं एकादश इन्द्रिय मन नहीं पहुँच सकते, वहाँ पर उस आत्मा के आनन्द को जान करके बुद्धिमान् मनुष्य मुक्त हो जाते हैं। दुग्ध में घृत के सदृश सर्वत्र विद्यमान आत्म तत्त्व, आत्म-विद्या एवं तप के द्वारा ही प्राप्त होता है। यह आत्मा ही स्वयं ब्रह्म है और यही उपनिषदों का परम पद (परब्रह्म) है।

यह शुक्ल यजुर्वेदीय उपनिषद् है। इसमें आत्मकल्याण एवं लोक कल्याण हेतु भिक्षाचर्या द्वारा जीवनयापन करने वाले संन्यास धर्म का संक्षिप्त किन्तु प्रभावपूर्ण वर्णन किया गया है। सर्वप्रथम कुटीचक, बहूदक, हंस एवं परमहंस नामक संन्यासियों के उदाहरण देकर उनके आहार-विहार, शिखा सूत्र, वस्त्रादि का उल्लेख किया गया है। अन्त में परमहंस संन्यास के विषय में अपेक्षाकृत विस्तृत वर्णन किया गया है, जिसके द्वारा परमहंस संन्यास की महनीय महिमा एवं उसके कठोर अनुशासन का पता चलता है। कलेवर की दृष्टि से यह उपनिषद् कुल पाँच मन्त्रों की अति लघुकाय स्वरूप वाली है, परन्तु महत्त्व की दृष्टि से अत्यधिक श्रेष्ठ मानी जाती है।

मोक्षार्थी भिक्षुओं की चार श्रेणियाँ होती हैं- कुटीचक, बहूदक, हंस और परमहंस। यहाँ मोक्षार्थी भिक्षुओं के बारे में अनुशासन में बताये जा रहे हैं। भोगार्थी स्वार्थी भिक्षु वे, जो अपनी असमर्थता के कारण भिक्षा माँगते हैं। मोक्षार्थी समर्थ होते हुए भी लौकिक बन्धनों से ऊपर उठने के क्रम में भिक्षाजीवी बनते हैं। **क्रमश:...**

केंद्रीय उत्पाद शुल्क दिवस

हर साल 24 फरवरी को केंद्रीय उत्पाद शुल्क दिवस मनाया जाता है। इस दिवस का संचालन केंद्रीय वित्त मंत्रालय के अंतर्गत 'केंद्रीय उत्पाद और सीमा शुल्क विभाग' की ओर से किया जाता है। इस दिन को सेलिब्रेट करने के पीछे का कारण केंद्रीय उत्पाद और कस्टम बोर्ड ऑफ इंडिया का अर्थव्यवस्था में योगदान का सम्मान करना है। इसके अलावा ऑर्गेनाइजेशन के अधिकारियों को भी सम्मानित किया जाता है।

केंद्रीय उत्पाद शुल्क दिवस का लक्ष्य आम लोगों को उत्पाद शुल्क और सेवा शुल्क की अहमियत बताना है। 24 फरवरी 1944 को केंद्रीय उत्पाद शुल्क और नमक कानून लागू किया गया था जिसके बाद यह हर साल मनाया जाता है। सभ्यताओं के प्रारंभ से ही नमक एक महत्वपूर्ण वस्तु रही है। नमक को भारत में देशी सरकारों द्वारा विभिन्न रूपों में राजस्व के स्रोतों में से एक माना जाता था, जैसे उत्पाद शुल्क, पारगमन कर और बहुत कुछ। नमक राजस्व की वसूली के

लिए प्रशासनिक नियंत्रण के मामले में आम तौर पर कोई एकरूपता नहीं थी।

असंख्य प्रांतों और अन्य समकालीन भारतीय राज्यों में प्रशासन और कर संग्रह का अपना तंत्र था। 1944 में, करों के भुगतान को आसान बनाने के लिए भारत सरकार द्वारा भारतीय कर प्रणाली में सुधार किया गया था। केंद्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम ने नमक से संबंधित विशेष प्रावधानों वाले उत्पाद और नमक के केंद्रीय कर्तव्यों से संबंधित कानूनों को समेकित और संशोधित किया।

'केंद्रीय उत्पाद शुल्क दिवस' के दिन सीबीईसी की तरफ से दी जा रही सेवाओं और उनसे जुड़े अधिकारियों को सम्मानित किया जाता है। इस दौरान पूरी ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और भविष्य में उन्हें मोटिवेट करने के लिए इस दिन सम्मानित किया जाता है। बता दें कि इस विभाग से जुड़े अधिकारी और कर्मचारी हर साल विनिर्माण क्षेत्र के माल में भ्रष्टाचार की जांच करते हैं।

केंद्रीय सीमा शुल्क और उत्पाद बोर्ड केंद्रीय वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग के तहत आता है और यह एक तरह इनडायरेक्ट टैक्स है। सेंट्रल इनडायरेक्ट टैक्स और कस्टम बोर्ड के पास देश में कस्टम, जीएसटी, केंद्रीय एक्साइज, सर्विस टैक्स और नारकोटिक्स के प्रशासन की जिम्मेदारी होती है। यह एक तरह का अप्रत्यक्ष कर है जो कारखानों में बनी हुई तमाम उत्पादों पर लगता है। ब्रिटिश शासन में 1855 में उत्पाद शुल्क विभाग की स्थापना की गई थी। देश का लगभग एक तिहाई हिस्सा उत्पादन शुल्क से मिलता है। हालांकि 1944 से विभिन्न तरह की सेवाओं को भी टैक्स की श्रेणी में रखा गया है। सीबीआईसी के कर्तव्यों और जिम्मेदारियों में वृद्धि हुई है।

संकट में फंसे पाकिस्तान के हाथ में परमाणु बम

सिद्धार्थ शंकर गौतम

पाकिस्तान के कायद ए आजम मोहम्मद अली जिन्ना ने कभी कहा था कि पाकिस्तान देश और दुनिया के लिए शान्ति और समृद्धि का काम करेगा किन्तु अपने अस्तित्व के 75 वर्ष में ही यह देश पूरी दुनिया के लिए चिंता का सबब बन चुका है। परमाणु संपन्न शक्ति पाकिस्तान में इस समय अराजक स्थिति है। आर्थिक रूप से पाकिस्तान टूट चुका है और आतंरिक चुनौतियों तथा अस्थिर राजनीतिक नेतृत्व ने पाकिस्तान के परमाणु भंडार को असुरक्षित कर दिया है। विश्व बिरादरी ऐसी आशंका जता रही है कि यदि पाकिस्तान में जनता विद्रोह कर देती है और स्थिति अराजक होती है तो आतंकी संगठन परमाणु हथियार प्राप्त कर सकते हैं। यह स्थिति विश्व के लिए भयावह होगी।

इस्लामिक कट्टरवाद को अपनी मुख्य नीति बनाने और भारत में आतंकवाद को बढ़ावा देने के कारण पाकिस्तान आर्थिक रूप से इतना कमजोर हो गया है कि दिवालिया होने के कगार पर है। पाकिस्तान के विदेशी मुद्रा भंडार में महज 3 अरब डॉलर ही बचे हैं और इतने धन से वह 3 सप्ताह के आयात बिलों का ही भुगतान कर सकता है। महंगाई दर 25 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है। डॉलर के मुकाबले पाकिस्तानी रुपये की कीमत 260 रुपये जा पहुंची है। जब पूर्व क्रिकेट खिलाड़ी इमरान खान ने पाकिस्तान की सत्ता संभाली तो लोगों को उम्मीद थी कि पूरी दुनिया घूम चुका यह परिपक्व खिलाड़ी पाकिस्तान को एशिया ही नहीं, विश्व मानचित्र पर भी मजबूत करेगा किन्तु इमरान खान भारत विरोध में इतने अंधे हो गए कि महज 5 वर्षों में पाकिस्तान का सरकारी कर्ज जीडीपी का 78 प्रतिशत हो गया।

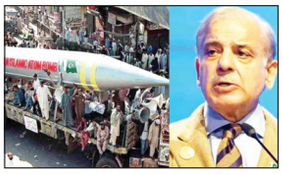

कश्मीर से धारा-370 हटाने के केंद्र सरकार के फैसले से गुस्साए इमरान खान ने भारत से व्यापारिक सम्बन्ध भी तोड़ लिए। उधर चीन पर बढ़ती निर्भरता और कर्ज के जाल ने पूरे देश को जकड़ लिया। सऊदी अरब और तुर्की जैसे पाकिस्तान के मित्र राष्ट्र भी अब उसकी मदद करने से पीछे हट रहे हैं। 23वीं बार आईएमएफ से कर्ज मांगने पहुंचे पाकिस्तान को संस्था ने कर्ज देने के लिए जो शर्तें रखी हैं वह पाकिस्तान उन्हें मान लेता है तो जनता त्राहिमाम कर उठेगी और स्थित भयावह होगी। तब पाकिस्तानी अवाम और सेना के बीच गृहयुद्ध जैसी स्थिति बन जाएगी।

विश्व बिरादरी ने ऐसी आशंका व्यक्त की है कि यदि पाकिस्तान गृहयुद्ध जैसी किसी स्थिति का सामना करता है तो आतंकी संगठन परमाणु हथियार हासिल करने का प्रयास कर सकते हैं। यदि ऐसा हुआ तो पूरी दुनिया के लिए यह असमय मौत जैसा होगा। वर्तमान में पाकिस्तान के पास 165 परमाणु हथियार हैं जो भारत से अधिक हैं। 2022 में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन ने कहा था कि पाकिस्तान दुनिया का सबसे खतरनाक मुल्क है क्योंकि उसके पास बिना कंट्रोल के परमाणु हथियार हैं। हाल ही में इंटरनेशनल एटॉमिक रिसर्च एजेंसी के मुखिया राफेल मारियानो ने भी पाकिस्तान का दौरा किया था ताकि वहां के परमाणु हथियारों की सुरक्षा पर स्थिति स्पष्ट हो। कई सामाजिक कार्यकर्ताओं व राजनीतिज्ञों का मानना है कि पाकिस्तान अपने आर्थिक संकट से निपटने के लिए अंतिम विकल्प के रूप में परमाणु हथियारों को बेचने का निर्णय भी ले सकता है। ऐसी स्थिति में जो देश अमेरिका के डर से अपने परमाणु कार्यक्रम पर रोक लगा चुके हैं उनके सामने पाकिस्तान एक बड़ा विकल्प बन जाएगा और दुनिया में एक बार फिर से परमाणु हथियारों की होड़ बढ़ जाएगी।

चीन बना सबसे बड़ा खलनायक

1960 के दशक में अयूब खान सरकार में मंत्री जुल्फिकार अली भुट्टो ने कहा था कि यदि भारत परमाणु बम बना लेता है तो हम घास या पत्ते खा लेंगे, भूखे सो लेंगे लेकिन अपना बम जरूर बनाएंगे। भारत ने परमाणु बम बनाया तो भुट्टो की जिद ने पाकिस्तान को चीन का नजदीकी बना दिया और 1983 की यूएस स्टेट डिपार्टमेंट की एक रिपोर्ट से दुनिया ने जाना कि चीन ने पाकिस्तान के परमाणु कार्यक्रम में मदद की और परमाणु बम के लिए पूरा ब्लूप्रिंट पाकिस्तान को दिया है। यहां तक कि पाकिस्तान के माध्यम से चीन ने और देशों को भी परमाणु तकनीक बेची। इसका प्रमाण था पाकिस्तान के परमाणु बम के जनक डॉ. अब्दुल कादिर खान, जिन पर उत्तर कोरिया, ईरान, ईराक और लीबिया को न्यूक्लियर डिजाइन्स और सामग्री बेचने और चोरी का आरोप लगा। अभी हाल ही में पाकिस्तान के बुद्धिजीवी परवेज हूदभॉय ने भी कहा कि पाकिस्तान के पास जो परमाणु बम हैं उनका डिजाइन चीन ने दिया था। स्पष्ट है कि पूरी दुनिया आज जिस अंदेशे का सामना कर डर रही है उसका वजीर चीन है और प्यादा है पाकिस्तान।

ऐसा नहीं है कि पाकिस्तान एकमात्र देश है जो दिवालिया होने की कगार पर है। इससे पूर्व 1998 में रूस और यूक्रेन, 2001 में अर्जेंटीना, 2008 में इक्वाडोर, 2012 में ग्रीस, 2017 में वेनेजुएला, 2020 में लेबनान, 2022 में श्रीलंका जैसे देश भी या तो डिफाल्टर हो गए थे या दिवालिया हुए थे। 1991 में खाड़ी युद्ध के चलते भारत भी कुछ ऐसे ही आर्थिक संकटों से घिर गया था किन्तु तत्कालीन प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव ने बाजार को नियंत्रण मुक्त करते हुए इसे वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए खोल दिया था और आर्थिक संकट से मुक्ति पाते हुए भारत विश्व की सर्वश्रेष्ठ तेज बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था बन गया था। पाकिस्तान चाहे तो भारत से सबक ले सकता है।

दूसरा, चीन के साथ भी भारत का गंभीर सीमा विवाद है किन्तु दोनों देशों ने कभी आपसी व्यापार को इसके आड़े नहीं आने दिया। पाकिस्तान के लिए भारत एक बड़ा बाजार था जिसे उसने स्वयं खत्म कर दिया। एक विकल्प यह भी है कि पाकिस्तान विश्व समुदाय को न सिर्फ यह विश्वास दिलाए बल्कि कार्रवाई भी करे कि वह अपने यहां लोकतंत्र को मजबूत करेगा और जिस आशंका से विश्व भयभीत है उसे कम करेगा। इसका सीधा सा उपाय है कि पाकिस्तान अपने परमाणु कार्यक्रम की गोपनीयता को सार्वजनिक करे और परमाणु हथियारों के खजीरे को कम करे। तभी पाकिस्तान पर विश्व विश्वास कर पाएगा अन्यथा तो दुनिया की नजर में पाकिस्तान आग के ढेर पर है और एक छोटी सी चिंगारी उसे और दुनिया को बर्बाद कर सकती है।

गांधी आज

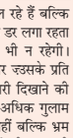

देशी राज्य

देशी राज्य आज अपने बल पर नहीं चल रहे हैं बल्कि ब्रिटिश राज्य के बल पर टिके हुए हैं। उन्हें यह डर लगा रहता है कि ब्रिटिश राज्य न रहे तो हमारी हस्ती भी न रहेगी। इसलिए वे ब्रिटिश राज्य को कायम रखने और उडसके प्रति ब्रिटिश भारत की प्रजा से भी अधिक वफादारी दिखाने की कोशिश करते हैं। पर यह अधिक वफादारी अधिक गुलाम दशा का चिह्न है। इसके मूल में शुद्ध भक्ति नहीं बल्कि भ्रम भरा और गंदा स्वार्थ है। इसलिए देशी राज्यों की प्रजा की दशा दुहरी गुलामी की है। जैसे गुलामी की प्रथा में गुलामों का मेठ मालिक से भी अधिक कड़ाई करता है वैसे ही हमारे देशी नरेश अपनी प्रजा के प्रति अधिक कठोरता दिखाते हैं तो इसमें कोई नयापन नहीं। इसका उपाय यही है कि ब्रिटिश भारत पहले स्वराज्य प्राप्त कर ले। जबतक ब्रिटिश भारत की जनता स्वतंत्र नहीं तबतक देशी राज्य की प्रजा के संकट दूर करने का सामर्थ्य उसमें नहीं आएगा। अपने पुरुषार्थ से स्वतंत्र होने से ब्रिटिश भारत की जनता में शक्ति पैदा होगी यह देशी राज्यों की आँखें खोल देगी। उस समय देशी राजाओं की समझ में आएगा कि ब्रिटिश बंदूकों के बलपर अपनी प्रजा को दबाए रखकर थोड़ा अधिकार भोगने या मौज उड़ाने की अपनी निष्ठापूर्वक प्रजा की सेवा करने, उसके सुख-दु:ख और गरीबी में शरीक होकर प्रेम से उसके हृदय पर अपनी सत्ता जमाने में उनकी अपनी भी अधिक भलाई है। जिन भारतीय नरेशों की आँखें इस तरह खुल जाएंगी ये र राज्यों में सुधार करने लग जाएंगे। जो इतने जड़, नासमझ होंगे समय भी न चेलेंगे उनके राज्य नहीं टिकने केइसे कहने की आवश्यकता नहीं। पर ऐसे जड़मति राजा भी तब आज जैसी मनमानी तो हर्गिज न कर सकेंगे। क्योंकि स्वतंत्र हुए ब्रिटिश भारत तथा सुधरे हुए देशी राज्यों का एकत्र लोकमत इतना प्रबल होगा कि दृष्टों के लिए भी अपनी दुष्टता को लगाम लगाने के सिवा दूसरा चारा न होगा।

संक्षिप्त समाचार

बिजली बिल हाफ योजना से जरूरतमंद परिवारों को मिली 243 करोड़ की राहत

बिलासपुर। राज्य शासन की बिजली बिल हाफ योजना से गरीब, जरूरतमंद एवं मध्यम वर्गीय परिवार को राहत मिली है। बिजली बिल हाफ योजना में 400 यूनिट तक घरेलू बिजली खपत पर 50 फीसदी की छूट दी जा रही है। जिले में अब तक 2 लाख 66 हजार 153 उपभोक्ताओं को बिजली बिल हाफ योजना के तहत 50 प्रतिशत छूट मिलने पर 243 करोड़ 35 लाख रूपए से ज्यादा राशि की छूट दी गई है। इन योजनाओं का लाभ मिलने से घरेलू विद्युत उपभोक्ताओं की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। विद्युत विभाग के अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार योजना प्रारंभ से अब तक बिल्हा विकासखण्ड में 1 लाख 42 हजार 70 उपभोक्ताओं को लगभग 168 करोड़ 60 लाख, मस्तूरी विकासखण्ड में 48 हजार 650 उपभोक्ताओं को 24.06 करोड़, तखतपुर विकासखण्ड में 41 हजार 361 उपभोक्ताओं को 35.87 करोड़ और कोटा विकासखण्ड में 34 हजार 72 उपभोक्ताओं को लगभग 14.82 करोड़ रूपए की छूट योजना के तहत मिली है। गौरतलब है कि बिजली बिल हाफ योजना 1 मार्च 2019 से शुरू की गई। इस योजना के तहत उपभोक्ताओं को प्रतिमाह खपत की गई 400 यूनिट खपत पर 50 प्रतिशत की छूट दी जा रही है।

वरिष्ठ नागरिकों को सहायक उपकरण देने मूल्यांकन शिविर 24 फरवरी को

बिलासपुर। वरिष्ठ नागरिकों को छड़ी, चश्मा, कृत्रिम दांत, व्हील चेयर आदि प्रदान करने के लिए मूल्यांकन शिविर समारोह का आयोजन 24 फरवरी को सवेरे 10 बजे शासकीय ई. राघवेन्द्र राव विज्ञान महाविद्यालय (साईंस कॉलेज) के खेल परिसर में किया जाएगा। समारोह में बिलासपुर संभाग अंतर्गत बिलासपुर, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही, मुंगेली, कोरबा, जांजगीर-चांपा, रायगढ़, सारंगढ़ एवं सक्ती जिले से बड़ी संख्या में वरिष्ठ नागरिक शामिल होंगे।

राज्यपाल चंद्राकर को संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित होने पर दी बधाई

रायपुर। राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने छत्तीसगढ़ की सुविख्यात लोक गायिका तथा इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ की कुलपति पद्मश्री डॉ. मोक्षदा (ममता) चंद्राकर को राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किए जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। राज्यपाल श्री हरिचंदन ने अपने संदेश में कहा कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति को जीवंत रखने में डॉ. चंद्राकर का योगदान अमूल्य है। उन्होंने कहा कि डॉ. चंद्राकर का यह सम्मान छत्तीसगढ़ की लोककला का सम्मान है।

समर्थन मूल्य पर धान खरीदी जीरो शार्टेज का लक्ष्य प्राप्त

गरियाबंद। गरियाबंद जिले में खरीफ विपणन वर्ष 2022-23 में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी शासन द्वारा निर्धारित तिथि 01 नवंबर 2022 से 31 जनवरी, 2023 तक किया गया है। जिले के 67 समितियों के 86 उपार्जन केन्द्रों के माध्यम से 3 लाख 81 हजार 845 मेट्रिक टन धान की खरीदी किया गया है। जिले में पंजीकृत 84,155 कृषकों में से 79,485 कृषकों द्वारा धान बेचा गया है। धान बेचने वाले कृषकों का प्रतिशत 94.45 है। जिले में 7,79,30,09,808 रुपये लागत से 3,81,845 मेट्रिक टन धान उपार्जित किया गया है। जिसका भुगतान कृषकों को किया जा चुका है। जिले के समस्त 86 धान उपार्जन केन्द्रों से 18 फरवरी 2023 को सम्पूर्ण धान का उठाव कर जीरो शार्टेज किया गया है। खाद्य अधिकारी श्री सुधीरचन्द्र गुरू से मिली जानकारी अनुसार खाद्य, मार्कफेड, सहकारिता, कृषि एवं जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के द्वारा जिले में खरीफ विपणन वर्ष 2022-23 में समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन नीति अनुसार सफल सुव्यवस्थित ढंग से धान खरीदी एवं उठाव का सम्पूर्ण कार्य संपादित किया गया। खाद्य अधिकारी ने बताया कि खरीफ विपणन वर्ष 2022-23 में जिले के निर्धारित लक्ष्यानुरूप एफसीआई एवं नान में चावल जमा का कार्य प्रगतिरत है।

आपदा पीड़ितों के वारिसों को 20 लाख रूपए की सहायता

कोण्डागांव। कलेक्टर दीपक सोनी द्वारा राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के तहत प्राकृतिक आपदा पीड़ितों के 6 वारिसों को 20 लाख रूपए की आर्थिक सहायता अनुदान राशि प्रदान करने की स्वीकृति दी गयी है। जिसके तहत तहसील कोण्डागांव अंतर्गत बड़ेकनेरा निवासी अंगदराम भोयर पिता स्वर्गीय शान्तुराम भोयर एवं तोड़म निवासी श्रीमती लच्छनी मानिकपुरी पति स्वर्गीय फूलदास मानिकपुरी सहित फरसगांव तहसील के झाटीबन निवासी श्रीमती कोयलीबाई पति स्वर्गीय पीलूराम एवं बनचपई निवासी बजारूराम कोर्राम पिता श्री जयराम कोर्राम प्रत्येक को चार-चार लाख रूपए और माकड़ी तहसील के इंगरा निवासी श्रीमती जयंती पति सुकडू तथा श्री सुकडू पिता मुरहा को संयुक्त रूप से 4 लाख रूपए की आर्थिक सहायता प्रदान करने की स्वीकृति दी गयी है। उक्त स्वीकृत आर्थिक सहायता राशि सम्बन्धित हितग्राहियों के बैंक खाते में सीधे हस्तान्तरित किये जाने के निर्देश सम्बन्धित तहसीलदारों को दिये गये हैं।

रायपुर अधिवेशन में 15000 नेताओं के लिए तीन हजार सुरक्षाकर्मी

■ रोज तैयार होंगी एक लाख रोटियां

रायपुर। कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन की तैयारियां अंतिम चरणों में हैं। देशभर के 15 हजार से ज्यादा कांग्रेसी नेता छत्तीसगढ़ पहुंचना शुरू हो गए हैं। छत्तीसगढ़ सरकार और प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने सभी नेताओं के ठहरने, आने-जाने और सुरक्षा के तमाम इंतजाम कर लिए गए हैं। राजधानी रायपुर में 24 फरवरी से कांग्रेस का राष्ट्रीय अधिवेशन शुरू हो रहा है। इससे एक दिन पहले गुरुवार को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे रायपुर पहुंच जाएंगे। विमानतल पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसियों ने उनका भव्य स्वागत किया गया। 24 को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पहुंचेंगे। 25 फरवरी को प्रियंका गांधी रायपुर पहुंचेगी।

जानकारी के अनुसार, अधिवेशन स्थल में सभी डोम एयर कंडीशनर तैयार किए गए हैं। सभी डोम में अलग—अलग एलईडी स्क्रीन लगाई गई हैं। कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन के डोम में सभी वीआईपी रहेंगे। इसके लिए एक बड़ा मंच तैयार किया गया है। यह मंच थीम बेस्ड है। मंच के आसपास 170 से ज्यादा एसी लगाए गए हैं। 15 हजार सदस्यों के लिए 1500 से ज्यादा गाड़ियों की व्यवस्था की जा रही है। नागपुर से 300 इनोवा, दिल्ली से 100 लग्जरी कारें, इंदौर-नागपुर से लग्जरी बसें मंगवाई गई हैं। तीन दिन के अधिवेशन के लिए दर्जनभर वॉल्वो समेत सब मिलाकर 800 बड़ी-छोटी बसें रायपुर पहुंच गई हैं। इसके अलावा 700 छोटी गाड़ियों की बुकिंग की गई है। इसमें 250 वीआईपी के लिए लग्जरी कारें भी शामिल हैं। उनकी सुरक्षा और पायलट-फॉलो के रूप में 600 सरकारी गाड़ियां रहेंगी। प्रदेश की अधिकांश ट्रैवल एजेंसियों की सारी गाड़ियां बुक कर ली गई हैं।

3000 जवान सुरक्षा में होंगे तैनात

कांग्रेस के इस तीन दिन के अधिवेशन में 15 हजार से ज्यादा नेता शामिल होंगे। इनके लिए कोलकाता, दिल्ली और केरल के रसोइए भोजन बनाने के लिए आएंगे। वीवीआई नेताओं को कॉन्टिनेंटल खाने के साथ छत्तीसगढ़ी पकवान भी परोसे जाएंगे। इसके अलावा अन्य राज्यों का पारंपरिक भोजन भी तैयार किया जाएगा। अधिवेशन में शामिल होने वाले लगभग 15 हजार सदस्य और ड्यूटी में लगे पांच हजार लोगों के लिए रोजाना सुबह शाम भोजन वहीं बनेगा। रोज करीब 15 क्विंटल चावल बनेगा और एक लाख रोटियां बनाई जाएंगी। चार क्विंटल दाल रोज पकेगी और सब्जियों की खपत भी करीब पांच क्विंटल के आसपास होगी। राष्ट्रीय अधिवेशन में 3,000 से अधिक सुरक्षा जवान तैनात रहेंगे। आईजी इसके प्रभारी होंगे। इनके सहयोग के लिए चार डीआईजी और डेढ़ दर्जन एसएसपी की ड्यूटी लगाई गई है। अधिवेशन के दौरान सादी वर्दी में भी सुरक्षाकर्मी तैनात रहेंगे। वहीं वीआईपी और वीवीआईपी के आने का रूट अलग-अलग रखा गया है। जबकि 400 जवान ट्रैफिक व्यवस्था संभालेंगे।

यहां रुकेंगे राहुल, सोनिया और प्रियंका

कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन के लिए रायपुर और नया रायपुर गेस्ट हाउस रिजॉर्ट, होटल, सर्किट हाउस और धर्मशालाओं को भी बुक किया गया है। कांग्रेस के बड़े कद के नेताओं के लिए नया रायपुर के मेफेयर रिजॉर्ट को बुक किया गया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, अशोक गहलोत और बड़े नेताओं के लिए इसमें व्यवस्था की गई है। अधिवेशन में आने वालों के लिए राजधानी के 150 बड़े-मंझौले होटल पूरी तरह बुक कर लिए गए हैं। इसके अलावा 150 छोटे-बड़े रेस्ट हाउस, धर्मशाला, क्लब हाउस और मैरिज पैलेस को भी रिजर्व कर लिया गया है। सरकारी रेस्ट हाउस और सर्किट हाउस भी बुक हैं। कुछ मंत्री और नेताओं के बंगले में भी ठहरने की व्यवस्था की गई है। सूत्रों के अनुसार दुर्ग, भिलाई और महासमुंद के होटल-लॉज तक बुक हैं, ताकि जरूरत पड़ने पर लोगों को वहां ठहराया जा सके।

अधिवेशन में आने वाले सभी वरिष्ठ और दिग्गज नेताओं का स्वागत सिल्क से बने राजकीय गमछे से किया जाएगा। जबकि अन्य नेताओं का स्वागत कॉटन के गमछे से किया जाएगा। अधिवेशन के लिए करीब 10 हजार गमछे खरीदे गए हैं।

अधिवेशन में बनेगा लोकसभा चुनाव का रोडमैप

24 फरवरी से 26 फरवरी तक कांग्रेस का 85वां राष्ट्रीय अधिवेशन नया रायपुर के मेला स्थल में होने वाला है। इस अधिवेशन को 2023 में 9 राज्यों के विधानसभा चुनाव और अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए अहम माना जा रहा है। अधिवेशन में कांग्रेस विधानसभा चुनाव और लोकसभा चुनाव के लिए रोडमैप बनाएगी। तीन दिवसीय अधिवेशन में इसकी पूरी प्लानिंग की जाएगी कि चुनावी मैदान में कांग्रेस कैसे उतरेगी।

पहली बार छत्तीसगढ़ की धरती पर कांग्रेस का महाकुंभ-भूपेश बघेल

बुधवार रात को सीएम भूपेश बघेल ने ट्वीट कर कहा- शहीद वीर नारायण सिंह नगर नवा रायपुर में कांग्रेस का 85वां अधिवेशन होना है. गुरुवार को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष रायपुर पहुंच रहे हैं. मैडम आने वाली है. राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, देशभर के एआईसीसी डेलीगेट्स, पीसीसी डेलीगेट्स छत्तीसगढ़ आ रहे हैं. हम सभी उत्सुक है. कांग्रेस पलक पावड़े बिछाकर बैठे हैं. सबका स्वागत है. राहुल गांधी के भारत जोड़ो यात्रा पर भूपेश बघेल ने कहा राहुल गांधी ने कन्याकुमारी से कश्मीर तक 4000 किलोमीटर की पैदल यात्रा की. हाल के दिनों में ऐसा किसी नेता ने एक साथ पहले कभी नहीं हुआ है. आगे भी इस तरह के यात्रा की कोई गुंजाइश नहीं है. राहुल गांधी ने महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, समाज में बिखराव को लेकर भारत जोड़ों यात्रा की. इस दौरान आम जनता, गरीबों, युवाओं, महिलाओं, बच्चों से राहुल मिले, पूरा देश कनेक्ट हुआ है जो अद्भुत है. अतुलनीय है. बाद में एआईसीसी ने हाथ से हाथ जोड़ो यात्रा का प्लान बनाया. सभी कांग्रेसियों ने अपने अपने बूथों में यात्रा निकाली. घर घर तक कांग्रेस पार्टी का संदेश पहुंचाया गया. इसके तुरंत बाद कांग्रेस का राष्ट्रीय अधिवेशन हो रहा है. इससे निश्चित रूप से बदलाव आएगा. छत्तीसगढ़ के राज्यगीत से होगी कांग्रेस अधिवेशन की शुरुआत, ये कार्यक्रम होंगे पेश !मीडिया से चर्चा में सीएम भूपेश ने एक बार फिर ईडी को घेरा. सीएम ने कहा- एक दिन के बाद कांग्रेस का राष्ट्रीय अधिवेशन है. लेकिन इससे पहले ईडी की कार्रवाई से कांग्रेस कार्यकर्ताओं को डराने की कोशिश की जा रही है. ताकि अधिवेशन को विफल बनाया जा सके. लेकिन उनके मनसूबों पर पानी फिरने वाला है. कांग्रेस का ये सम्मेलन मील का पत्थर साबित होगा. कोयला घोटाले को लेकर कार्रवाई की जा रही है. पिछले 8 महीने से लगातार जांच कर रहे हैं लेकिन अब तक कुछ ढूंढ नहीं पाए हैं.पीएम मोदी के ईडी एकजुट विपक्ष टिप्पणी पर छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल ने कहा-इसका मतलब है कि पीएम स्वीकार कर रहे हैं कि ऐसी कार्रवाई केवल विपक्ष के खिलाफ है, न कि सत्ता पक्ष के खिलाफ. वैसे भी ईडी, सीबीआई, आईटी के मामलों में लिप्त लोग बीजेपी में जाते ही पाक साफ हो जाते हैं. पीएम ने जो कहा वह सही है, वह इसे स्वीकार कर रहे हैं. ताम्रध्वज साहू एक बात साफ समझ लेनी चाहिए कि कांग्रेस के बिना विपक्षी एकता का कोई मतलब नहीं है।

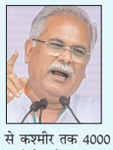

राष्ट्रीय पेरियोडोंटिस्ट दिवस, डेंटल डाक्टरों ने किया लोगों को जागरुक

रायपुर। राष्ट्रीय पेरियोडोंटिस्टदिवस पर इंडियन सोसाइटी ऑफ पेरियोडोंटिस्ट द्वारा रायपुर शहर सहित पूरे छत्तीसगढ में डेंटल कालेज द्वारा जागरूकता अभियान व पाम्पलेट वितरण अभियान शुरू किया गया जो इस सप्ताह तक चलेगा। यह जानकारी जौहर आईएसपी स्टडी ग्रुप के डा वैभव तिवारी ने दी।उन्होंने बताया कि पेरियोडोंटिस्ट 9 विशेष दंत रोग की ब्रांच में से एक है । जिसमें मसूड़ों की बीमारी का इलाज व दांतों का ईप्लांट किया जाता है।इसी को लेकर आज राष्ट्रीय पेरियोडोंटिस्ट दिवस पर जौहर आईएसपी स्टडी ग्रुप द्वारा वाकेथोन का कार्यक्रम ऑक्सीजोन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में शासकीय डेंटल कॉलेज के डीन डॉ वीरेंद्र वाधेर, डॉ शैलेंद्र चतुर्वेदी, डॉ सौरभ भंडारी, डॉ वैभव तिवारी, डॉ जितेंद्र सराफ, डॉ पारुल, डॉ प्रिया, डॉ स्मृति, डॉ नुपुर, डॉ दीपश्री, डॉ मानसी व गवर्नमेंट डेंटल कॉलेज

में अध्ययनरत छात्र व अन्य डॉक्टर्स शामिल हुए। इस दौरान डाक्टरों और छात्रों की टीम ने वहां आने वाला लोगों को दांतो से जुड़ी समस्याओं व पैयारिया से संबंधित समस्याओं व भ्रांतियों और सावधानियों और बचाव व इलाज के विषय में जानकारी दी। इसके साथ ही पाम्पलेट का वितरण भी किया। संस्था के ट्रेजर डॉक्टर जितेंद्र सराफ ने बताया कि पेरियोडोंटिस्ट को लेकर रायपुर के साथ-साथ दुर्ग, राजनांदगांव, बिलासपुर पूरे छत्तीसगढ में यह जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है जो तीन दिनों जारी रहेगा। उन्होने बताया कि शहर में अलग-अलग क्षेत्र में जागरूकता के साथ

छत्तीसगढ़ के नए राज्यपाल बने विश्वभूषण हरिचंदन

रायपुर। विश्वभूषण हरिचंदन ने गुरुवार को राजभवन के दरबार हॉल में आयोजित गरिमामय समारोह में छत्तीसगढ़ के नौवें राज्यपाल के रूप में अपने पद की शपथ ली। उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधिपति न्यायमूर्ति अरूप कुमार गोस्वामी ने उन्हें शपथ दिलाई। राज्यपाल श्री हरिचंदन ने हिंदी में ईश्वर के नाम पर शपथ ली। इस अवसर पर प्रथम महिला श्रीमती सुप्रभा हरिचंदन उपस्थित रहीं।

नवनियुक्त राज्यपाल बिस्वा भूषण हरिचंदन का जन्म 3 अगस्त 1934 को ओडिशा के खुर्दा में हुआ था. उनकी शुरुआती पढ़ाई गांव के ही स्कूल में हुई. गांव से स्कूली पढ़ाई पूरी करने के बाद वे पुरी पहुंचे और वहां एससीएस कॉलेज से इकोनॉमिक्स में

ग्रेजुएशन किया. आगे कटक के एमएस लॉ कॉलेज से एलएलबी की डिग्री हासिल की. 1962 में बिस्वा भूषण हरिचंदन ओडिशा हाई कोर्ट बार काउंसिल के सदस्य बनें. छत्तीसगढ़ के नवनियुक्त राज्यपाल बिस्वा भूषण हरिचंदन साल 1971 में भारतीय जनसंघ में शामिल हुए. 1977 में ओडिशा में कैबिनेट मंत्री के पद पर भी रहे. ओडिशा में उद्योग मंत्री के रूप में उन्होंने सिंगल विंडो सिस्टम शुरू किया. उद्योग सुविधा अधिनियम पारित कराया. राज्य सरकार के कर्ज को चुकाने के लिए सरकारी जमीन की बिक्री का कड़ा विरोध किया.

छत्तीसगढ़ के राज्यगीत से होगी कांग्रेस अधिवेशन की शुरुआत, ये कार्यक्रम होंगे पेश !बिस्वा भूषण हरिचंदन से पहले अनुसुइया उइके छत्तीसगढ़ की राज्यपाल थी. 29 जुलाई 2019 से 22 फरवरी 2023 तक उनका कार्यकाल था. इससे पहले आनंदीबेन पटेल ने राज्यपाल के रूप में छत्तीसगढ़ में अपनी सेवाएं दी. उनका कार्यकाल 15 अगस्त 2018 से 28 जुलाई 2019 तक था. इससे पहले 25 जुलाई 2014 से 14 अगस्त 2018 तक बलरामजी दास टंडन छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रहे. रामनरेश यादव प्रदेश में सबसे कम समय के लिए राज्यपाल रहे.

इनका कार्यकाल 2 जुलाई 2014 से 24 जुलाई 2014 तक रहा. ईएसएल नरसिम्हन 25 जनवरी 2007 से 23 जनवरी 2010 तक गवर्नर के पद पर रहे. रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल के एम सेठ 2 जून 2003 से 24 जनवरी 2007 तक राज्यपाल का पद संभाला. छत्तीसगढ़ बनने के बाद डीएन सहाय प्रदेश के पहले राज्यपाल बने. 1 नवंबर 2000 से 1 जून 2003 तक वे प्रदेश में राज्यपाल रहे.

भूपेश बघेल राज्यपाल बिस्वा भूषण हरिचंदन अनुभवी राजनेता- विश्व भूषण हरिचंदन बुधवार को रायपुर पहुंचे थे. एयरपोर्ट पर उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया. इसके बाद राज्यपाल बिस्वा भूषण हरिचंदन सपरिवार राजभवन पहुंचे.

कांग्रेस महाअधिवेशन पर 85 कटे फटे होंठ वाले आदिवासी बच्चों के चेहरे सवरेंगे

रायपुर। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 85 वें राष्ट्रीय महाअधिवेशन के अवसर पर प्रदेश कांग्रेस विकलांग सेवा प्रकोष्ठ द्वारा कटे फ़टे होंठ व तालु में छिद्र वाले बच्चों का चार दिवसीय निःशुल्क परीक्षण व ऑपरेशन शिविर आयोजित किया गया है। प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र कोचर व विजय चोपड़ा ने बताया कि 85 राष्ट्रीय महाअधिवेशन के अवसर पर 85 कटे फ़टे होंठ वाले आदिवासी बच्चों का परीक्षण व ऑपरेशन डॉ सुनील कालड़ा द्वारा किया जावेगा। महेन्द्र कोचर व विजय चोपड़ा ने कहा कि कई बच्चों के जन्म से कटे फ़टे होंठ व तालु में छिद्र की विकृति होती है जिससे बच्चे कुरूप दिखने लगते हैं , तालु में छिद्र से खाने पीने में दिक्कत होती है। बच्चों के होंठों का ऑपरेशन कर चेहरे को संवारा जाता है। प्राइवेट में ऑपरेशन कराने वालों को 25 से 30 हजार का खर्च होता है। कांग्रेस

विकलांग सेवा प्रकोष्ठ द्वारा डॉ सुनील कालड़ा व स्माईल ट्रेन के माध्यम से निःशुल्क ऑपरेशन किया जाएगा। कटे फ़टे होंठ के ऑपरेशन शिविर में आज सूदूर बस्तर आदिवासी अंचल से कमलबती 15 वर्ष, खिलेश्वरी 8 वर्ष, किशोर 10 वर्ष, बनीराम 2 वर्ष, डोमरो राम 2 वर्ष, गौरव 8 वर्ष, नयरा 1 वर्ष, नरेश बघेल 8 वर्ष, कुमारी 13 वर्ष, बिसनाथ 5 वर्ष, गुलशन 6 वर्ष आदि 38 बच्चों का परीक्षण कर डॉ सुनील कालड़ा ने सफल ऑपरेशन किया। महेन्द्र कोचर व विजय चोपड़ा ने बताया कि कटे फ़टे होंठ के ऑपरेशन शिविर के साथ ही कांग्रेस विकलांग सेवा प्रकोष्ठ कांग्रेस के 85 वें राष्ट्रीय महाअधिवेशन पर 85 दिव्यांगों को श्रवण यन्त्र , कैलिपर्स , कृत्रिम हाथ, जयपुर पैर, व्हीलचेयर आदि वितरित करेगा। विजय चोपड़ा ने बताया कि प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र कोचर द्वारा पिछले 42 वर्षों में लगातार विकलांगों की सेवा में अनेक कार्य किये जा रहे हैं।

मांगों को लेकर मेकॉज के जूनियर डॉक्टर जा सकते हैं हड़ताल पर

जगदलपुर। मेडिकल कॉलेज जगदलपुर में विगत माह जनवरी में जूनियर डॉक्टरों के साथ ही बांडेड डॉक्टरों के द्वारा अपनी 05 सूत्रीय मांगों को लेकर हड़ताल पर चले गए थे। मुख्यमंत्री के आश्वासन के बाद हड़ताल को खत्म किया गया था। लेकिन एक माह बाद भी डॉक्टरों की मांगों के ऊपर किसी भी प्रकार से ध्यान नहीं दिया जा रहा है, जिसके चलते एक बार फिर से हड़ताल की सुगबुगाहट दिखाई देने लगी है। अपनी मांगों को लेकर डॉक्टरों की टीम ने फिर से पत्र दिया है। जिसमें बताया गया है,की मेकॉज में काम करने वाले सभी इंटर्न, पीजी, एसआर, बोंडेड डॉक्टरों को दूसरे राज्यों के अपेक्षा कम पैसे देने को लेकर पूरे छत्तीसगढ़ के डॉक्टरों ने एक माह पहले हड़ताल किया था। डॉक्टरों का कहना है कि बढ़ती मंहगाई की इन परिस्थितियों में जीवनयापन में कठिनाई आ रही है, जिससे वापस 5 सूत्रीय मांगों को लेकर हड़ताल की स्थिति बन रही है। मेकॉज के शिशु वार्ड में पदस्थ डॉ. पुष्पराज प्रधान ने बताया कि 19 से लेकर 25 जनवरी तक अपनी 5 सूत्रीय मांगों को लेकर हड़ताल किया था। मुख्यमंत्री के आश्वासन के बाद हड़ताल को खत्म कर दिया गया था। लेकिन मामले को एक माह से अधिक समय गुजर जाने के बाद भी डॉक्टरों की मांगों को दरकिनार कर दिया गया है। इसी बात को लेकर डॉक्टरों की टीम ने फिर से पत्राचार कर अपनी मांगों को याद दिलाया है। जिससे कि डॉक्टरों के अंदर असंतोष व्याप्त हैं। बढ़ती मंहगाई की इन परिस्थितियों में जीवनयापन में कठिनाई आ रही है, जिससे वापस कार्य रोकने की स्थिति बन रही है। वहीं देखा जाए तो वर्तमान में प्रदेश के जूनियर रेसीडेन्ट डॉक्टरों को दिया जा रहा मानदेय अन्य राज्यों की तुलना में काफी कम है, जिसके लिए हमारे द्वारा पिछले 02 वर्षों से लगातार पत्र एवं बैठक के माध्यम से वृद्धि हेतु प्रस्ताव भेज रहे हैं। उन्होने कहा कि प्राकृतिक न्याय एवं सामान्य तर्क की अद्वितीय विडंबना है कि छत्तीसगढ़ में पोस्ट पीजी बांडेड डॉक्टर्स की ना केवल अपनी श्रेणी से कम बल्कि अपने से निचली श्रेणी से भी कम मानदेय दिया जा रहा है।

कांग्रेस महाधिवेशन में पारित प्रस्ताव से तय होगी दशा-दिशा- ताम्रध्वज साहू

रायपुर। कांग्रेस के राष्ट्रीय महाधिवेशन को चंद घंटे ही शेष हैं. देश के अन्य राज्यों से भी नेताओं का छत्तीसगढ़ आना शुरू हो गया है. ऐसे में सभी के मन में यही सवाल उठ रहा है कि कांग्रेस के राष्ट्रीय महाधिवेशन में आखिर 3 दिनों तक क्या होगा. किस तरह की चीजें इस अधिवेशन में देखने को मिलेंगी. क्या इस महाधिवेशन से पार्टी सहित देश की दशा और दिशा तय होगी. इसका आगामी विधानसभा और लोकसभा चुनाव पर क्या प्रभाव पड़ेगा. छत्तीसगढ़ के गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू से खास बातचीत की.

सवाल -कांग्रेस के राष्ट्रीय महाधिवेशन में 3 दिन (24 से लेकर 26 तक) क्या-क्या कार्यक्रम होने वाले हैं?

जवाब -महाधिवेशन 24 फरवरी, 25 और 26 फरवरी को है. शेड्यूल प्रोग्राम ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी का फाइनल

जारी नहीं किया गया है. बन गया है लेकिन डिक्लेअर नहीं किया गया है. 24 तारीख को शुरुआत में राष्ट्रीय अध्यक्ष झंडा वंदन करेंगे. उसके बाद फिर कमेटियों की मीटिंग होगी. 25 तारीख को पीसीसी डेलीगेट, स्पेशल इनवाइटी जो होते हैं जिला कांग्रेस, ब्लॉक, इनके साथ मीटिंग होगी और जो अलग-अलग सब कमेटियां बनी है उसकी मीटिंग होगी. फिर 26 तारीख को सारा प्रस्ताव पारित होगा. इसके बाद 26 को ही अलग से जोरा ग्राउंड में आम सभा का आयोजन किया गया है.

सवाल - अधिवेशन में आने वाले नेताओं पदाधिकारियों की सुरक्षा की क्या व्यवस्था है?

जवाब - इन नेताओं की सुरक्षा के लिए जो जो केटेगरी निर्धारित है उसके अनुसार से उनका ठहरने, गाड़ी में चलने और उनकी सुरक्षा व्यवस्था की पूरी तैयारी उनकी श्रेणी के हिसाब से कर ली गई है. उसमें कहीं कोई कमी नहीं होने दी जाएगी. पूरे अधिवेशन के दौरान करीब 2000 पुलिसकर्मियों को तैनात किया जाएगा. पहले 1500 पुलिसकर्मियों को तैनात करने की योजना बनाई गई थी. लेकिन समारोह में शामिल होने वाली संख्या के आधार पर अब संख्या बढ़ाई जा रही है.

सवाल- कहा जाता है कि इस महाधिवेशन में देश प्रदेश सहित पार्टी की दिशा और दशा तय की जाएगी?

जवाब - इसमें व्यापक चर्चा होती है, रणनीति तय होती है. जो हमारी 6 सब कमेटी है वह अलग-अलग दिवेश नीति पर, आर्थिक नीति पर अपनी राजनीति के दृष्टिकोण से ऐसे अलग सब कमेटियां चर्चा करती हैं. उसमें 10-15, 20 मेंबर होते है. बड़े-बड़े सीनियर लोग होते हैं. वह सब सारी चर्चाएं जब हो जाती हैं, तो प्रस्ताव पारित होता है. उसमें निश्चित तौर पर कांग्रेस की भी, देश की भी, विदेश नीति की भी सारी सारी चर्चाएं होती हैं. निश्चित तौर पर इससे दिशा और दशा तय होती है.

सवाल - अधिवेशन के पहले विपक्ष का हमला तेज हो गया है. आंदोलन, धरना प्रदर्शन कर रहे हैं. यह सभी आप के राष्ट्रीय नेताओं का ध्यान आकर्षित करने की कोशिश है?

जवाब - इससे कुछ नहीं होता है. कांग्रेस कांग्रेस है.कांग्रेस की जड़ें आजादी के पहले से मजबूत हैं. आज तक मजबूत हैं कांग्रेस की जड़. विपक्षियों और भाजपा वालों के चिल्लाने से, ईडी की कार्रवाई करने से कांग्रेस को कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है. कांग्रेस पूरी मजबूती से इस सम्मेलन को करेगी और बहुत अच्छे से करेगी.

सवाल - आगामी विधानसभा और लोकसभा चुनाव पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा?

जवाब - प्रभाव तो पड़ेगा ही. अच्छा काम होगा. बड़े नेता आते हैं उनकी बातें कार्यकर्ता सुनते हैं, मन में कोई बात रहता है, तो वह दूर होता है. विधानसभा लोकसभा चुनाव में निश्चित तौर पर इसका व्यापक असर पड़ता है और पड़ेगा ही. हम लोग अभी 70-71 हैं उसमें ज्यादा सीटें और प्लस करके जीतेंगे. लोकसभा भी 11 जीतेंगे ऐसा पूरा विश्वास है.

संक्षिप्त ख़बरें

50 से 60 बाहरी लोग फर्जी प्रमाण पत्र से प्राप्त की बस्तर फाइटर्स में नियुक्ति - नंद किशोर राणा

बीजापुर। जिले में बस्तर फाइटर्स आरक्षक भर्ती प्रक्रिया में बाहरी युवकों द्वारा फर्जी निवासी प्रमाण लगाकर नौकरी प्राप्त करने को लेकर भाजपा अनुसूचित जनजाति के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एवं वार्ड 01 से पार्षद नंद किशोर राणा ने गुरुवार को एसपी कार्यालय पहुंचकर जिले के पुलिस अधीक्षक अंजनेय वार्ष्णेय को ज्ञापन सौंपते हुए जांच की मांग 06 बिंदुओं में किये जाने की मांग रखते हुए कहा कि जिले में बस्तर फाइटर्स में फर्जी नियुक्ति प्राप्त करने वाले युवकों की संख्या तकरीबन 50 से 60 के आस-पास है। 06 बिंदुओं में 01 भूमि संबधित दस्तावेज के आधार पर 02 शिक्षण योग्यता 05वी 08वीं 10वी 12 वी के मार्कशीट के आधार पर 03 निवासी प्रमाण पत्र जारी करते वक्त प्रकरण में संलग्न दस्तावेज के आधार पर 04 रोजगार पंजीयन प्रमाण पत्र कब से कब तक दिनांक के आधार पर 05 आधार कार्ड जारी दिनांक के आधार पर 06 अभ्यर्थियों का निवास स्थाल का स्थाई पता और वर्तमान पता के आधार पर जांच करते हुए आभ्यर्थियों के संलग्न सूचि में अंकित नाम के आलवा अन्य अभ्यर्थियों के भी समस्त बिन्दुवो पर जांच करते हुऐ निवास प्रमाण पत्र आसत्य पाए जाने पर सम्बंधित पटवारी व आवेदक के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही करने की भी मांग किया गया है। इस दौरान शायन, शुभम नायडु, सुरेंद्र नाइक, विक्की, बट्टी, सहित बड़ी संख्या में युवा उपस्थित रहें।

छत्तीसगढ़ में निर्मित भवनों में ऊर्जा दक्षता और कूल रूफ संबंधी तकनीक को बढ़ावा देने की पहल

रायपुर। प्रदेश में निर्मित भवनों में ऊर्जा दक्षता और कूल रूफ संबंधी तकनीक को साझा करने तथा इस क्षेत्र में प्रदेश के संबंधित विभागों, संस्थानों, तकनीकी व्यक्तियों, रियल इस्टेट कंपनियों आदि की इस विषय पर दक्षता निर्माण करने हेतु क्रेडा ने अमेरिका स्थित एनआरडीसी के ग्लोबल हेड एवं एडमिनेस्ट्रेटीव स्टॉफ कॉलेज ऑफ इंडिया (ए.एस.सी.आई.) के मध्य दिल्ली में एक करारनामा (एम.ओ.यू.) किया है।क्रेडा की ओर से मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आलोक कटियार ने इस करारनामा में हस्ताक्षर किया है। इसके तहत छत्तीसगढ़ के भवनों में ऊर्जा दक्षता को सुधारने एवं उसकी गति बढ़ाने के लिये तकनीकी सहयोग एवं सलाह दी जावेगी। जिसके लिये कोई भी धनराशि नहीं प्रदान करनी होगी। इस प्रायोजन हेतु वर्कशॉप सेमीनार ट्रेनिंग विषय विषेशज्ञों का भ्रमण आदि क्रियाकलाप एन.आर.डी.सी. के द्वारा आयोजित किये जावेंगे।

कांग्रेस के फाइव स्टार अधिवेशन के मुकाबले भाजपा का आवासहीन अधिवेशन

24-25 फरवरी को आरंग के आवासहीन अधिवेशन में कांग्रेस सरकार के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पास किए जाएंगे

रायपुर। भाजपा 24 और 25 फरवरी को आरंग टाउन हॉल के पास आवासहीन अधिवेशन आयोजित करेगी। कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन के मुकाबले रायपुर ग्रामीण जिला भाजपा, रायपुर ग्रामीण क्षेत्र के 54 हजार वेटिंग सूची के आवास हीन हितग्राहियों के प्रतीकात्मक अधिवेशन के माध्यम से छत्तीसगढ़ के 16 लाख आवास वंचित गरीबों का दर्द बयां करेगी।

भाजपा कार्यालय एकात्म परिसर में आयोजित पत्र वार्ता में भाजपा नेताओं ने बताया कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन के मुकाबले आवास हीन अधिवेशन के लिए नया रायपुर में किसी जगह अनुमति देने मांग की गई थी। लेकिन भूपेश बघेल सरकार के दबाव में अनुमति नहीं दी गई। आरंग में आवासहीन अधिवेशन की अनुमति मिली है। भाजपा आरंग में खुले में 24 घण्टे का आवासहीन अधिवेशन करेगी। 24 फरवरी को दोपहर यह

अधिवेशन आरंभ होगा और 25 फरवरी को सम्पन्न होगा। भाजपा बिना किसी पंडाल के यह अधिवेशन कर रही है। भाजपा का उद्देश्य आवासहीन गरीबों को उनका हक दिलाना है। राज्य में भाजपा की सरकार बनने पर तत्काल आवास वंचितों को आवास दिलाया जाएगा। ये वह आवासहीन गरीब हैं, जिनके आवेदन स्वीकृत हैं लेकिन भूपेश बघेल सरकार की वजह से उन्हें आवास नहीं मिले हैं। इस आवास हीन अधिवेशन में विभिन्न सत्र होंगे। जिसमे कांग्रेस सरकार के खिलाफ निंदा प्रस्ताव भी लाया जाएगा।

जिला ग्रामीण भाजपा अध्यक्ष अभिनेश कश्यप ने कहा कि एक तरफ कांग्रेसी सरकार फाइव स्टार अधिवेशन कर रही है और दूसरी तरफ छत्तीसगढ़ के गरीब आवास के लिए भटक रहे हैं। वह बिना छत के रह रहे हैं। उनकी तरफ इस सरकार का कोई ध्यान नहीं है। बल्कि यह सरकार चाहती ही नहीं है कि छत्तीसगढ़ के गरीबों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ मिले। सरकार के इस दोहरे चरित्र के खिलाफ भाजपा 24 और 25 फरवरी को कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन के समानांतर आवासहीन अधिवेशन कर रही है।

पूर्व विधायक देवजी भाई पटेल ने बताया कि रायपुर ग्रामीण, आरंग, धरसीवां और भाटापारा विधानसभा का तिल्दा रायपुर ग्रामीण जिला में आता है। इनके आवासहीन लोगों से आवेदन लिए हैं। पूर्व विधायक नवीन मार्कण्डेय ने आवासहीन अधिवेशन के औचित्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार के पास गरीब की छत के लिए पैसा नहीं है। कांग्रेस के अधिवेशन पर अरबों रुपये खर्च कर रहे हैं। भाजपा नेता अशोक बजाज ने आवासहीन अधिवेशन की तैयारियों की चर्चा करते हुए कहा कि कांग्रेस के अधिवेशन में जो होगा, वह गरीब जनता के लिए नहीं है। भाजपा का आवासहीन अधिवेशन गरीब की आवाज है। भाजपा नेता गणेश शंकर मिश्रा ने आवास वंचित गरीबों की व्यथा का उल्लेख करते हुए कहा कि गरीब विरोधी कांग्रेस को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि गरीब बिना छत के रह रहे हैं। उन्होंने कहा कि टीएस सिंहदेव ने पंचायत मंत्री का पद छोड़ते समय जो चिट्ठी लिखी थी, वह हमारे पास है। उसमें क्या लिखा था, यह सबको मालूम है। भाजपा की सरकार बनने पर सबसे पहले उन गरीबों को मकान मिलेगा जो प्रकरण स्वीकृत होने के बाद भी कांग्रेसी सरकार के वजह से मकान नहीं पा सके। यदि भूपेश बघेल सरकार ने केंद्र सरकार का पैसा वापस नहीं भेजा होता तो गरीबों के आवास बनाने के साथ-साथ 10 हजार करोड़ की बड़ी रकम से छत्तीसगढ़ में बहुत से लोगों को काम मिलता।

स्मार्ट सिटी के कारनामों की जांच के आदेश जारी -भाजपा

■ जल्द ही शुरू होगी जांच- सुनील सोनी

रायपुर। सांसद सुनील सोनी, पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल, राजेश मूणत ने आज यहां भाजपा कार्यालय एकात्म परिसर में आयोजित पत्र वार्ता में जानकारी दी कि रायपुर स्मार्ट सिटी मिशन का स्वतंत्र मूल्यांकन-कार्यादेश जारी हो गया है। रायपुर स्मार्ट सिटी के कार्यों में अनियमितता के विषय को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने विभाग को शिकायत पत्र भेजा था। इस संदर्भ में विभाग ने स्मार्ट सिटी रायपुर के कार्यों के तकनीकी एवं आर्थिक जांच के लिए कमेटी का गठन कर दिया है जो इसकी जांच करके रिपोर्ट सौंपेंगे।

रायपुर स्मार्ट सिटी द्वारा शुरू की गई परियोजनाओं की गुणवत्ता का मूल्यांकन, परियोजनाओं के अनुमोदन के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रियाओं की उपयुक्तता (परिभाषित प्रक्रियाओं के अनुसार) की समीक्षा की जायेगी।प्रमुख परियोजनाओं की पहचान और उनके पैमाने और प्रभाव का व्यक्तिपरक मूल्यांकन होगा। जांच टीम परियोजना कार्यान्वयन या वित्तीय में सुधार के क्षेत्रों का सुझाव देगी। अध्ययन कर दो महीने में ड्राफ्ट रिपोर्ट सौंपी जाएगी। छह सप्ताह के बाद और दूसरे महीने के अंत तक अंतिम रिपोर्ट आ जायेगी। व्यावसायिक

शुल्क, मूल्यांकन के लिए मानव संसाधन (अभियंता),वित्त पेशेवर, एम एंड ई विशेषज्ञ जांच कर रिपोर्ट देंगे।

सांसद सुनील सोनी ने बताया कि स्मार्ट सिटी के कामकाज में गड़बड़ियों की शिकायत मिलने पर तथ्यों के साथ भाजपा ने केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी से मिलकर उन्हें अवगत कराया था। केंद्रीय मंत्री ने फौरन इस मामले में जांच कराने भरोसा दिलाया था और उन्होंने जांच के आदेश दिए। जिस पर जांच कमेटी गठित हो गई है। जल्द ही जांच शुरू हो जाएगी। उन्होंने बताया कि पूर्व मंत्री राजेश मूणत ने स्मार्ट सिटी के नियम विरुद्ध कार्य के तथ्य केंद्रीय मंत्री को सौंपे थे। नेता प्रतिपक्ष नगर निगम मीनल चौबे सहित हमारे सभी पार्षद इस बारे में मांग करने दिल्ली गए थे। वरिष्ठ नेता तथा पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने पत्र वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र की अनुमति और राज्य की रिपोर्ट में अंतर है। पूरे देश में सबसे भ्रष्ट, सबसे निकम्मी अगर कोई नगर निगम साबित हुआ है तो वह रायपुर नगर निगम है। स्मार्ट सिटी के पैसे से दूसरे क्षेत्रों में काम हुए। राज्य सरकार कंगाल हो गई है इसलिए पैसों का दुरुपयोग कर रही है। स्मार्ट सिटी के पैसों में बंदरबांट हो रही है। वीआईपी रोड पर टेंडर हुए बिना काम शुरू हो गया। ऐसे कई काम है। करोड़ों के काम हैं, जिन्हें कई हिस्सों में बांट कर भ्रष्टाचार कर अपनों को बांटा गया। राजेश मूणत जी ने एजुकेशनल हब में चौपाटी बनाए जाने का विरोध करते हुए 11 दिनों तक धरना दिया। उन्होंने कहा लाइब्रेरी मोती बाग में बनाएंगे और जहां इसकी जरूरत है वहां चौपाटी बनाएंगे। तुगलकी शासन चल रहा है। जिसमें पैसा खाने को मिले वह काम करो। 1हजार करोड़ खर्च होने के बाद भी कोई काम नहीं हुआ। रायपुर शहर को बद से बदतर बनाने का काम रायपुर नगर निगम कर रही है। केंद्र की सरकार ने राजेश मूणत जी के धरने के बाद जांच के निर्देश दिए हैं। दूध का दूध पानी का पानी होगा। निगम के अधिकारी नियमों को ताक पर रखकर काम करना बंद करें वरना भुगतने के लिए तैयार रहें। पैसा लैप्स न हो इसलिए बिना आवश्यकता के खर्च कर रहे हैं। जनता के बीच गरीब बस्तियों में काम करें। बूढ़ा तालाब का काम स्मार्ट सिटी के पैसों से किया। करोड़ों का फव्वारा लगाया। आज तक चालू नहीं हुआ। भ्रष्ट लोग बेनकाब होंगे और ऐसे लोगों को जेल जाना चाहिए।

कांग्रेस का अधिवेशन छत्तीसगढ़ में होना राज्य के लिये गौरव का विषय- मोहन मरकाम

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि कांग्रेस का 85 वां अधिवेशन छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में होने वाले अधिवेशन की तैयारियां पूरी हो चुकी है।देश भर से अतिथियों का आना शुरू हो गया है।यह क्षण कांग्रेस के साथ-साथ छत्तीसगढ़ के लिये भी ऐतिहासिक और गौरव पूर्ण है। कांग्रेस देश का अकेला राजनैतिक संगठन है जिसका गठन आजादी के पहले हुआ था जिसने देश की आजादी की लड़ाई का नेतृत्व किया। कांग्रेस का पहला अधिवेशन स्थापना के तत्काल बाद 1885 में मुंबई में हुआ जिसमें व्योमेशचंद्र बेनर्जी अध्यक्ष बने। कांग्रेस के 40 वें अधिवेशन 1924 में बेलगांव महात्मा गांधी अध्यक्ष बने थे। 46 वे अधिवेशन में 1929 के लाहौर अधिवेशन में पं. जवाहर लाल नेहरू अध्यक्ष बने थे तथा कांग्रेस के 52 वें अधिवेशन 1938 में हरिपुर तथा 1939 को त्रिपुरी मध्यप्रदेश के अधिवेशन में नेताजी सुभाष चंद्र बोस कांग्रेस के अध्यक्ष बने। रायपुर के पहले दिल्ली में कांग्रेस का 84वां अधिवेशन 2018 में हुआ था।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि 28 दिसंबर 1885 को कुछ बुद्धिजीवियों ने भारत के लोगों की जरूरतों उनकी समस्याओं के विमर्श के लिए एक मंच की जरूरत महसूस की जो तत्कालीन हुक्मरानों के समक्ष भारत की जनता की आवाज बन सके सरकार के द्वारा बनाई जा रही नीतियों में भारतीयों की जरूरतों को स्थान दिलवाया जा सके।इन्ही उद्देश्यों को ले कर 17 सदस्यों ने कांग्रेस की स्थापना की जिनमे एओ ह्यूम, दादाभाई नौरोजी, व्योमेश चन्द्र बेनर्जी, दिनशा वाचा प्रमुख थे। कांग्रेस का पहला अधिवेशन व्योमेश चन्द्र बेनर्जी की अध्यक्षता में मुंबई में हुआ। भारतीयों की समस्याओं को उठाने उद्देश्य के लिए गठित की गई कांग्रेस पार्टी बहुत जल्दी ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन की मुखर विरोधी बन गयी। गठन से ले कर भारत की आजादी तक कांग्रेस के लगभग 15 मिलियन सदस्य बन गए थे।

गुलाम भारत के लोगों में राजनैतिक चेतना जागृत कर उनमें आजाद मुल्क की ललक पैदा करना एक बड़ा कठिन काम था, जब तक लोगो मे आजादी और स्वराज की जरूरत की चेतना जागृत नही होगी अंग्रेजी शासन के खिलाफ कोई भी आंदोलन खड़ा नही हो सकता इस बात को कांग्रेस ने भली भांति समझ लिया था इसीलिए कांग्रेस ने शुरू से ही अपने विरोध के कार्यक्रमो में आम आदमी को जोड़ा और सामूहिक नेतृत्व पर जोर दिया।1915में महात्मा गांधी के भारत आगमन के बाद उन्हें कांग्रेस की अध्यक्षता सौपी गयी 1919 में गांधी जी कांग्रेस के प्रतीक पुरुष बन गए और इसके बाद कांग्रेस ने देश भर में अंग्रेजी हुकूमत के अत्याचारों के खिलाफ जनांदोलनों को खड़ा करना शुरू किया।

छत्तीसगढ़/राजधानी — प्रमुख समाचार

कांग्रेस की स्थिति खिसियानी बिल्ली खंबा नोचे जैसी हो गई है - बृजमोहन अग्रवाल

रायपुर। भाजपा के पूर्व मंत्री व विधायक बृजमोहन अग्रवाल ने पवन खेड़ा की गिरफ्तारी पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि पवन खेड़ा ने देश के प्रधानमंत्री के खिलाफ अनर्गल टिप्पणी की थी इसीलिए यह कानून के तहत कार्रवाई हुई है। किसी को यह गलतफहमी नहीं होनी चाहिए कि वह देश के कानून और संविधान से ऊपर है। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री के लिए कोई अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल करें उनके परिवार के सदस्यों के बारे में अपशब्द कहे ,फिर अपने आप को ही पीड़ित बताएं जनता यह स्वीकार नहीं करेगी। रायपुर में जो कांग्रेस का राष्ट्रीय अधिवेशन हो रहा है वह कांग्रेसी नेताओं के आपसी गुटबाजी के कारण बदनाम हो चुका है कांग्रेस इस प्रकरण के माध्यम से रायपुर अधिवेशन को चर्चा में लाना चाह रही है। आज भी जिस प्रकार विमानतल पर प्रदर्शन के दौरान देश के प्रधानमंत्री के लिए निम्न स्तरीय और अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल हुआ यह कांग्रेस के संस्कृति के अनुरूप ही प्रदर्शन था। उन्होंने कहा कि जिस प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आज भारत विश्व गुरु बन रहा है, देश में करोड़ों लोगों को प्रधानमंत्री आवास और स्वच्छ जल मिल रहा है। जिस प्रधानमंत्री ने कोरोना वायरस के समय सबसे पहले पूरे देश के लिए निशुल्क वैक्सीन का वितरण किया व 80 करोड़ जनता को विगत 33 माह से निशुल्क चावल दे रही हो।

कांग्रेस अध्यक्ष का भी दलित नेता सीताराम केसरी जैसी गति कर रहा गांधी परिवार- साव

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सांसद अरुण साव ने कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव जयराम रमेश द्वारा संवाददाता सम्मेलन में दिए गए बयान को कांग्रेस की निराशा का प्रमाण बताते हुए कहा है कि राहुल गांधी की यात्रा से भाजपा नहीं, बल्कि कांग्रेस बौखलाई हुई है। राहुल गांधी की 'कांग्रेस खोजो यात्रा' की विफलता और उस यात्रा के दौरान कांग्रेसी अन्तर्कलह को देखते हुए कांग्रेस हिल गई है। राहुल की यात्रा का बुरा असर कांग्रेस पर ही दिख रहा है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने कहा कि कांग्रेस में मौजूदा राष्ट्रीय अध्यक्ष की क्या स्थिति है यह तो रायपुर में दिख रहा है।कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे जी का कांग्रेस के सांसद राहुल गांधी के मुकाबले क्या स्थान है, कोई भी होर्डिंग देख ले, उसे पता चल जाएगा। यदि जयराम रमेश ने न देखा हो तो वह भी अधिवेशन स्थल से लेकर कांग्रेस के राजीव भवन के बाहर अंदर कहीं देख लें। उन्होंने कहा है कि गांधी परिवार के बाहर जो भी अध्यक्ष बने हैं उनकी क्या गति हुई है, उसे समूचे देश ने देखा है। श्री साव ने कहा कि दलित परिवार में जन्मे सीताराम केसरी को कांग्रेस कार्यालय से कैसे बाहर किया गया था यह देश की जनता भूली नहीं है।

योजनाओं की जमीनी हकीकत जानने कलेक्टर ने जिले के अंतिम छोर में दी दस्तक

जगदलपुर। जिले के अंतिम छोर में बसे गांवों में शासन की योजनाओं के जमीनी हकीकत जानने आज कलेक्टर चंदन कुमार बस्तर जिले के तहसील नानगुर क्षेत्र के अंदरूनी इलाके में स्थित ग्राम पुलचा पहुंचे, जहां निर्माणाधीन सड़क का निरीक्षण किया। इस दौरान तोलावाड़ा में जवानों और ग्रामीणों की भीड़ को देखते हुए अपनी गाड़ी रुकवाई तो देखा कि डीआरजी के जवानों द्वारा वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। अचानक कलेक्टर को अपने बीच पाकर ग्रामीण उत्साहित हुए और तालियों से उनका स्वागत किया। कलेक्टर ने वॉलीबॉल खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया, खेल समाप्ति के उपरांत विजेता खिलाड़ियों और अन्य खिलाड़ियों से कलेक्टर ने परिचय प्राप्त कर उनकी शिक्षा, रोजगार, शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन के संबंध में भी चर्चा की। ग्राम के उपसरपंच को पढ़ने वाले बच्चों और शाला त्यागी बच्चों को चिन्हाकित करने के निर्देश दिए। साथ ही खिलाड़ियों को विभिन्न भर्ती अभियानों जैसे बस्तर फाइटर, अग्निवीर जैसे परीक्षा में शामिल होने के लिए कहा। ग्रामीणों ने इस अवसर पर कलेक्टर को समस्याओं से अवगत कराया जिसमें स्कूल भवन निर्माण, पुलचा से गोरु गोठान तक सड़क निर्माण, आंगनबाड़ी भवन निर्माण, मिडिल स्कूल का जीर्णोद्धार की मांग की।

मोदी और भाजपा पर जमकर बरसे कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे

रायपुर। कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन में शामिल होने रायपुर आये राष्ट्रीय अध्यक्ष मलिकार्जुन खड़गे ने कहा है कि भाजपा के हाथ में लोकतंत्र सुरक्षित नहीं है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मीडिया से कहा कि आज मैं छत्तीसगढ़ की इस पावन धरती पर आया हूं , पहली बार कांग्रेस के अध्यक्ष के नाते आया हूं। मुझे काफी खुशी हो रही है ।लेकिन दुख की बात है कि जब मैं यहां पर अपने अधिवेशन में शामिल होने पहुंच रहा था, तो मेरे बहुत से कार्यकर्ताओं को और और नेताओं को परेशान किया गया। खास करके हमारे स्पोक्सपर्सन पवन खेड़ा को अरेस्ट किया गया। आसाम की पुलिस आकर उनको गिरफ्तार करती है, ऐसा नियम में कोई ऐसा प्रावधान नहीं है। खड़गे ने कहा मुझे बहुत खुशी हुई कि सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें जमानत दी और एक तमाचा उनके (भाजपा) ऊपर पड़ा । ऐसी घटनाएं नहीं होनी चाहिए । हम जब पार्लियामेंट के अंदर अपनी बात बोलना चाहते हैं तो भी हमें बोलने नहीं दिया जाता, जब बाहर हम बोलना चाहते हैं तो भी हमें बोलने नहीं दिया जाता। श्री खड़गे ने कहा कि इस देश में प्रीडम ऑफस्पीच को, बोलने की आजादी को खत्म करने की कोशिश यह लोग कर रहे हैं ।

भाजपा महिला मोर्चा ने रायपुर शहर में बढ़ते अपराध को लेकर सौंपा एसपी को ज्ञापन

रायपुर। भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष सीमा साहू के नेतृत्व में एवम् नगर निगम नेता प्रतिपक्ष मीनल चौबे ने राजधानी रायपुर में लगातार बढ़ते अपराध के नियंत्रण एवं कानून व्यवस्था की दुरूस्ती के लिए रायपुर शहर पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान उन्होंने कहा कि शहर की कानून व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो गई है। आए दिन महिलाओं के ऊपर प्राणघातक हमले हो रहे हैं। विगत दिनों एक अपराधी ने गुढ़ियारी में एक नाबालिग के घर घुसकर उसे गंभीर रूप से घायल कर एवं उसके बाल खींचते हुए उसे एक घंटे तक घसीटा। उन्होंने कहा कि राजधानी रायपुर में अपराधी बेखौफ होकर वारदातों को अंजाम दे रहे है और अपराधियों के मन में पुलिस और प्रशासन का जरा भी भय नहीं है। ऐसा प्रतीत होता है कि पुलिस प्रशासन मूकदर्शक बन कर रह गया है। उन्होंने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपते हुए कानून व्यस्था को दुरूस्त करने एवं अपराध पर अंकुश लगाने की मांग है। ऐसा नहीं होने पर भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश के गृहमंत्री के निवास करेगी।

राज्य के 5 लाख असाक्षरों को साक्षर किए जाने का लक्ष्य

रायपुर। न्यू इंडिया लिटरेसी प्रोग्राम के अंतर्गत वर्ष 2023-24 में राज्य के 5 लाख असाक्षरों को साक्षर किए जाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए 50 हजार स्वयंसेवी शिक्षक तैयार किए जाएंगे। आकांक्षी जिलों एवं कम साक्षरता दर वाले जिलों को प्राथमिकता प्रदान की जाएगी। इस योजना में बुनियादी साक्षरता संख्या ज्ञान के अलावा महत्वपूर्ण जीवन कौशल जैसे वित्तीय साक्षरता डिजिटल साक्षरता कानूनी व चुनावी साक्षरता स्वास्थ्य स्वच्छता व्यावसायिक कौशल बुनियादी शिक्षा एवं सतत शिक्षा इत्यादि विशेष जागरूकता के कार्यक्रम भी चलाए जाएंगे। न्यू इंडिया लिटरेसी प्रोग्राम की प्रोजेक्ट अफ्रूवल कमेटी की बैठक में राज्य की ओर से स्कूल शिक्षा विभाग के विशेष सचिव एवं राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण के संचालक श्री राजेश सिंह राणा ने वर्ष 2023-24 के लिए कार्य योजना प्रस्तुत की।

कांग्रेस महाधिवेशन में पारित प्रस्ताव से तय होगी पार्टी और देश की दशा दिशा- ताम्रध्वज साहू

रायपुर। कांग्रेस के राष्ट्रीय महाधिवेशन को चंद घंटे ही शेष हैं। देश के अन्य राज्यों से भी नेताओं का छत्तीसगढ़ आना शुरू हो गया है। ऐसे में सभी के मन में यही सवाल उठ रहा है कि कांग्रेस के राष्ट्रीय महाधिवेशन में आखिर 3 दिनों तक क्या होगा। किस तरह की चीजें इस अधिवेशन में देखने को मिलेंगी। क्या इस महाधिवेशन से पार्टी सहित देश की दशा और दिशा तय होगी। इसका आगामी विधानसभा और लोकसभा चुनाव पर क्या प्रभाव पड़ेगा। इन सारे सवालों के जवाब के लिए ईटीवी भारत संवाददाता प्रवीण कुमार सिंह ने छत्तीसगढ़ के गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू से खास बातचीत की. जानिए उन्होंने इस अधिवेशन को लेकर क्या कहा-

सवाल -कांग्रेस के राष्ट्रीय महाधिवेशन में 3 दिन (24 से लेकर 26 तक) क्या-क्या कार्यक्रम होने वाले हैं?

जवाब -महाधिवेशन 24 फरवरी, 25

और 26 फरवरी को है. शेड्यूल प्रोग्राम ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी का फाइनल जारी नहीं किया गया है. बन गया है लेकिन डिक्लेअर नहीं किया गया है. 24 तारीख को शुरुआत में राष्ट्रीय अध्यक्ष झंडा वंदन करेंगे. उसके बाद फिर कमेटियों की मीटिंग होगी. 25 तारीख को पीसीसी डेलीगेट, स्पेशल इनवाइटी जो होते हैं जिला कांग्रेस, ब्लॉक, इनके साथ मीटिंग होगी और जो अलग-अलग सब कमेटियां बनी है उसकी मीटिंग होगी. फिर 26 तारीख को सारा प्रस्ताव पारित होगा. इसके बाद 26 को ही अलग से जोरा ग्राउंड में आम सभा का आयोजन किया गया है.

सवाल - अधिवेशन में आने वाले नेताओं पदाधिकारियों की सुरक्षा की क्या व्यवस्था है?

जवाब - इन नेताओं की सुरक्षा के लिए जो जो कैटेगरी निर्धारित है उसके अनुसार से उनका ठहरने, गाड़ी में चलने और उनकी सुरक्षा व्यवस्था की पूरी तैयारी उनकी श्रेणी के हिसाब से कर ली गई है. उसमें कहीं कोई कमी नहीं होने दी जाएगी. पूरे अधिवेशन के दौरान करीब 2000 पुलिसकर्मियों को तैनात किया जाएगा. पहले 1500 पुलिसकर्मियों को तैनात करने की योजना बनाई गई थी. लेकिन समारोह में शामिल होने वाली संख्या के आधार पर अब संख्या बढ़ाई जा रही है.

सवाल- कहा जाता है कि इस महाधिवेशन में देश प्रदेश सहित पार्टी की दिशा और दशा तय की जाएगी?

जवाब - इसमें व्यापक चर्चा होती है, रणनीति तय होती है. जो हमारी 6 सब कमेटी है वह अलग-अलग विदेश नीति पर, आर्थिक नीति पर अपनी राजनीति के दृष्टिकोण से ऐसे अलग सब कमेटियां चर्चा करती हैं. उसमें 10-15, 20 मेंबर होते है. बड़े-बड़े सीनियर लोग होते हैं. वह सब सारी चर्चाएं जब हो जाती हैं, तो प्रस्ताव पारित होता है. उसमें निश्चित तौर पर कांग्रेस की भी, देश की भी, विदेश नीति की भी सारी सारी चर्चाएं होती हैं. निश्चित तौर पर इससे दिशा और दशा तय होती है.

सवाल - अधिवेशन के पहले विपक्ष का हमला तेज हो गया है. आंदोलन, धरना प्रदर्शन कर रहे हैं. यह सभी आप के राष्ट्रीय नेताओं का ध्यान आकर्षित करने की कोशिश है?

जवाब - इससे कुछ नहीं होता है. कांग्रेस कांग्रेस है.कांग्रेस की जड़ें आजादी के पहले से मजबूत हैं. आज तक मजबूत हैं कांग्रेस की जड़. विपक्षियों और भाजपा वालों के चिल्लाने से, ईडी की कार्रवाई करने से कांग्रेस को कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है. कांग्रेस पूरी मजबूती से इस सम्मेलन को करेगी और बहुत अच्छे से करेगी.

सवाल - आगामी विधानसभा और लोकसभा चुनाव पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा?

जवाब - प्रभाव तो पड़ेगा ही. अच्छा काम होगा. बड़े नेता आते हैं उनकी बातें कार्यकर्ता सुनते हैं, मन में कोई बात रहता है, तो वह दूर होता है. विधानसभा लोकसभा चुनाव में निश्चित तौर पर इसका व्यापक असर पड़ता है और पड़ेगा ही. हम लोग अभी 70-71 हैं उसमें ज्यादा सीटें और प्लस करके जीतेंगे. लोकसभा भी 11 जीतेंगे ऐसा पूरा विश्वास है.

आर.एन.आई. रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.